सांध्य दैनिक
RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 15 अंक - 246 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, बुधवार 19 जून 2024 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

समीक्षा का साहस नहीं जुटा पा रही कांग्रेस!

विधानसभा के बाद लोकसभा में भी मिली हार से आम कार्यकर्ता हताश

धनेन्द्र साहू, शिव डहरिया के बाद ताम्रध्वज ने भी समीक्षा की मांग

श्रीकंचनपथ न्यूज़ डेस्क

रायपुर। विधानसभा के बाद लोकसभा चुनाव में भी बुरी तरह पराजित हुई कांग्रेस हार की समीक्षा से बचती दिख रही है। पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं ने समीक्षा की मांग की है। यह समीक्षा कब होगी, होगी भी या नहीं, यह स्पष्ट नहीं है। पार्टी को इस बार लोकसभा चुनाव में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद थी, लेकिन उसकी उम्मीदें धरी की धरी रह गई। उसके नामचीन नेता चुनाव हार गए। शायद यही वजह है कि छत्तीसगढ़ में भी हार का ठीकरा ईवीएम पर फूटा। पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने तो खुलेआम कह दिया था कि राज्य में निष्पक्ष चुनाव नहीं हुए हैं। एक ओर जहां कांग्रेस के तमाम छोटे-बड़े नेता व कार्यकर्ता पराजय के बाद हताश और निराश नजर आ रहे हैं, वहीं दूसरी ओर पार्टी के ही भीतर फुसफुसाहट है कि दूसरे क्षेत्रों से प्रत्याशी आयात करने का पार्टी को बड़ा नुकसान हुआ है। हालांकि छत्तीसगढ़ राज्य बनने के बाद से अब तक पार्टी का लोकसभा चुनाव में प्रदर्शन इस बार के जैसा ही रहा है।

राज्य की सत्ता गँवाने के बाद भी कांग्रेस का आम कार्यकर्ता लोकसभा चुनाव में जी जान से जुटा रहा, लेकिन नतीजे आए वही ढाक के तीन पाद। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के रणनीतिकारों को उम्मीद थी कि पार्टी इस बार कम से कम 5 सीटें जीतेगी। लेकिन उसके स्वनामधन्य नेता भूपेश बघेल, ताम्रध्वज साहू, कवासी लखमा और शिवकुमार डहरिया को करारी हार का सामना करना पड़ा। कांग्रेस बस्तर, कांकेर, राजनांदगांव, महासमुंद, कोरबा और जांजगीर चाम्पा में जीत की उम्मीद लगाए बैठी थी। इनमें से पार्टी को सिर्फ कोरबा में ही जीत नसीब हुई। टिकट वितरण के बाद कई क्षेत्रों में आयातीत प्रत्याशियों का खुलकर विरोध भी हुआ। माना जा रहा है कि स्थानीय नेताओं व कार्यकर्ताओं ने इन आयातीत प्रत्याशियों को स्वीकार नहीं किया, जिसके चलते कई सीटें आते-आते रह गई। पार्टी यदि हार की समीक्षा करती है, तभी यह सामने आएगा कि कांग्रेस प्रत्याशियों को मतदाताओं ने नकारा या स्थानीय कार्यकर्ताओं का उन्हें साथ नहीं मिल पाया?

हार का सच कब आएगा सामने

पार्टी के पराजित प्रत्याशियों के साथ ही कई बड़े नेता यह जानने को उत्सुक हैं कि तमाम हालात पक्ष में होने के बावजूद आखिर पार्टी को एक बार फिर बुरी पराजय क्यों मिली? हाल ही में पूर्व पीसीसी चीफ धनेन्द्र साहू और फिर पूर्व मंत्री शिव डहरिया के बाद पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने भी पार्टी के चुनावी परफारमेंस की समीक्षा की मांग की थी। दरअसल, कांग्रेस के इस बार के टिकट वितरण ने राजनीतिक समीक्षकों को भी चौंकाया था। पार्टी ने जातीय व सामाजिक समीकरणों को साधने के हिसाब से टिकट वितरित किए। इसके अलावा स्थानीय परिस्थितियों को देखते हुए बड़े नेताओं को उतारा गया। यही वजह रही कि न केवल कांग्रेस पार्टी बल्कि समीक्षकों ने भी बड़े उलटफेर की संभावना जताई थी। इन सबके विपरीत भाजपा प्रारम्भ से ही इस बात पर अडिग नजर आई कि उसके सभी 11 प्रत्याशी चुनाव जीत रहे हैं। नतीजों के बाद भाजपा ने कोरबा को कम वोटों से मिली हार के रूप में स्वीकार किया, लेकिन कांग्रेस अब भी अपनी पराजय को स्वीकार नहीं कर पा रही है। यदि पार्टी हार के कारणों की समीक्षा करेगी तो संभव है कि कड़वा सच सामने आए।

संगठन में बदलाव की भी अटकलें

राज्य में विधानसभा का चुनाव पीसीसी चीफ दीपक बैज की अगुवाई में हुआ था। हालांकि कांग्रेस के सत्ता में रहने की वजह से चुनाव की पूरी बागडोर तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के हाथों में थी। यही वजह है कि विधानसभा की पराजय के बाद भी दीपक बैज को पद पर बने रहने का अभयदान मिल गया। लेकिन लोकसभा का चुनाव पूरी तरह से उनके नेतृत्व में ही हुआ। यहां तक कि वे अपने प्रभाव वाले क्षेत्रों में भी पार्टी को जीत नहीं दिला पाए। इसके चलते कांग्रेस संगठन में बदलाव की अटकलें तेज होने लगी है। चुनाव के दौरान उन पर बस्तर प्रत्याशी कवासी लखमा को सहयोग नहीं करने के कथित आरोप लगे थे। कहा जा रहा है कि युवा नेता को पार्टी की बागडोर सौंपने का अनुभव अच्छा नहीं रहा है। ऐसे में किसी मंझे हुए वरिष्ठ नेता को संगठन की जिम्मेदारी दी जा सकती है। इधर, संगठन से जुड़े सूत्रों का दावा है कि फिलहाल किसी बदलाव की उम्मीद नहीं है। शीर्ष नेतृत्व अलग गुणा-भाग में लगा है, ऐसे में छत्तीसगढ़ जैसे छोटे राज्य पर उसका फोकस नहीं है।

ऐसा भी मानते हैं कि राजनीतिक समीक्षक

राजनीति के जानकार और समीक्षकों का मानना है कि यदि कांग्रेस हार के कारण जानने की कोशिश करेगी तो संभव है कि अपनी आंतरिक त्रुटियों की बजाए बाहरी परिस्थितियों को जिम्मेदार ठहराए। जैसा कि ईवीएम पर पहले ही दोषारोपण किया जा चुका है। प्रदेश की सरकार पर सत्ता के दुरूपयोग का आरोप भी कांग्रेस लगा सकती है। पार्टी ने गरीब महिलाओं को सालाना 1 लाख रूपए देने का वायदा किया था। इस चुनावी मुद्दे का भी छत्तीसगढ़ में कोई असर नहीं पड़ा, जबकि पूरे देश में इस मुद्दे की वजह से भाजपा को बहुधा सीटें गँवानी पड़ी। वहीं, यह भी माना जा रहा है कि छत्तीसगढ़ में बड़े नेताओं को उतारकर कांग्रेस अति आत्मविश्वास में आ गई थी। वजह चाहे जो हो, कांग्रेस के भीतर से ही यह मांग उठ रही है कि जल्द से जल्द इस बात की समीक्षा होनी चाहिए कि आखिर पार्टी के ज्यादातर प्रत्याशियों को बड़े अंतर से हार का सामना क्यों करना पड़ा। सवाल यह भी उठ रहा है कि क्या पार्टी संगठन चुनावी पराजय की समीक्षा का साहस नहीं कर पा रहा है?

बैज ने कहा,- जल्द करेंगे समीक्षा

कांग्रेस के भीतर से उठ रही समीक्षा की मांग के बाद पीसीसी चीफ दीपक बैज ने जल्द ही समीक्षा करने की बात कही है। हालांकि इसे लेकर फिलहाल कुछ भी स्पष्ट नहीं है। इधर, कांग्रेस के समीक्षा-राग पर भाजपा भी चुटकी लेने से पीछे नहीं रही। उसने साफ कहा है कि कांग्रेस को समीक्षा से कुछ हासिल होने वाला नहीं है। वित्तमंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि कांग्रेस पूरी तरह से हताश और निराश हो चुकी है। ईवीएम में कथित गड़बड़ी के आरोपों पर चौधरी ने कहा कि कांग्रेस के नेता मानसिक हताशा में अनर्गल बयानबाजी कर रहे हैं। जब वे जीतते हैं तो ईवीएम सही हो जाता है और हार जाते हैं तो चिल्लाने लगते हैं। उन्होंने कहा कि यदि ईवीएम पर कंट्रोल रहता तो भाजपा को पूर्ण बहुमत मिलता। यूपी की सभी 80 सीटों पर जीत हासिल होती। गौरतलब है कि पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने आरोप लगाया था कि छत्तीसगढ़ में निष्पक्ष चुनाव नहीं हुआ है। उनका कहना था कि कांग्रेस कम से कम 4 से 5 सीटें जीत रही थी। लेकिन नतीजे में पार्टी को सिर्फ 1 सीट मिली।

खास-खबर

प्रेशर IED की चपेट में आने से महिला गंभीर रूप से घायल

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में एक बार फिर नक्सलियों की कायराना करतूत सामने आई है। खबरों के अनुसार बीजापुर के थाना उसूर क्षेत्र के अंतर्गत पटेलपारा नड़पल्ली निवासी 60 वर्षीय महिला जोगी टोरा बीनने के लिये सुबह खेत के समीप जंगल गई हुई थी।

इसी दौरान महिला नड़पल्ली के जंगल में बुधवार सुबह करीब 6.30 बजे नक्सलियों द्वारा लगाये गये प्रेशर आईईडी की चपेट में आ गई। इस घटना में महिला बुरी तरह घायल हो गई। महिला के दोनों पैरों में गंभीर चोंट पहुंची है। घायल महिला को उसूर अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल रिफर किया गया है। एसपी जितेंद्र यादव ने इस घटना की पुष्टि की है।

नगर निगम अधिकारी रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार, पूर्व पार्षद से मांगी गई थी रिश्वत

कोरबा। नगर निगम कोरबा में पदस्थ डीसी सोनकर नामक इंजीनियर को एसीबी की टीम ने रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। पता चला है कि पूर्व पार्षद मनक साहू ने एसीबी को सूचित किया था कि दरी जून में पदस्थ डीसी सोनकर द्वारा 21 लाख रुपए भुगतान करने के मामले में दो पर्सेंट कमीशन मांगा जा रहा था।

42000 की बजाय प्रार्थी द्वारा 35000 रुपए देने पर दोनों के मध्य सहमति बनी। मनक साहू द्वारा इसकी जानकारी एसीबी की टीम को दे दी गई। योजना बद्ध तरीके से मनक साहू नगर निगम ऑफिस पहुंचा ।सोनकर ने मानक साहू से कहा कि वह जोन ऑफिस दर्री जाकर देवेंद्र स्वर्णकार नामक इंजीनियर को यह पैसे दे दें। मानक साहू ने जैसे ही 35000 रुपए दिए एसीबी की टीम ने देवेंद्र को रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। डीसी सोनकर और देवेंद्र स्वर्णकार के विरुद्ध धारा 7,12 पीसी एक्ट 1988 के तहत कार्रवाई की जा रही है।

बेटी श्रुति चौधरी के साथ भाजपा में शामिल हुईं किरण चौधरी, दिल्ली मुख्यालय में थामा कमल

नईदिल्ली। हरियाणा की कांग्रेस विधायक किरण चौधरी व उनकी बेटी पूर्व सांसद श्रुति चौधरी आज भाजपा में शामिल हो गई। दिल्ली में उन्होंने पार्टी का दामन थामा। इस दौरान हरियाणा के सीएम नायब सैनी, पूर्व सीएम मनोहर लाल समेत भाजपा के बड़े नेता मौजूद रहे।

किरण और श्रुति चौधरी ने मंगलवार को कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया था। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को भेजे इस्तीफे के पीछे किरण ने लिखा है, यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि हरियाणा में कांग्रेस को व्यक्तिगत जागीर के तौर पर चलाया जा रहा है। इसमें मेरी जैसी ईमानदार आवाजों के लिए कोई जगह नहीं है। वहीं, श्रुति चौधरी ने भी अपने इस्तीफे में कहा कि कांग्रेस पार्टी दुर्भाग्य से एक व्यक्ति पर केंद्रित हो गई है, जिसने अपने स्वार्थी व हितों के लिए पार्टी के हितों से समझौता किया है।

महिला सहित तीन लोगों की मौत से मचा हड़कंप, महुआ शराब पीकर हुए थे बीमार

कोरबा के करतला थाना क्षेत्र का मामला, जांच में जुटी पुलिस

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में जहरीली शराब के कारण तीन लोगों की मौत हो गई। महुआ शराब पीकर तीनों की तबीयत बिगड़ी और उसके बाद इनकी मौत हो गई। घटना की सूचना के बाद पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। घटना कोरबा के करतला थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले ग्राम कोटमेर की है।

पुलिस के अनुसार महुआ की शराब पीने से एक महिला समेत तीन लोगों की मौत हो गई। ग्राम कोटमेर निवासी चैतराम कंवर ने सबसे पहले तीनों शव देखे। वह मंगलवार की किसी कार्य से सुबह आठ बजे करतला गया था। दोपहर 12 बजे वह काम निपटा कर घर पहुंचा, तो उसके होश उड़ गए। घर के बरामदे में उसकी पत्नी मालती बाई 50 वर्ष की लाश पड़ी हुई थी। घर के अंदर गया तो गांव के ही रहने वाले राम सिंह 60 वर्ष तथा बेदराम 49 वर्ष की भी लाश मिली।

बताया जा रहा है कि सभी बैठकर शराब पी रहे थे। वहां चखना और कच्ची महुआ शराब पड़ी हुई मिली। शराब पानी से तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही करतला पुलिस मौके पर पहुंची। पंचनामा के बाद तीनों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। पुलिस के अनुसार शुरुआती जांच में जहरीली शराब से मौत होना पाया गया है। हालांकि पोस्ट मार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

छत्तीसगढ़ में आज अंधड़ और बारिश का यलो अलर्ट

रायपुर। छत्तीसगढ़ में कुछ दिनों से मानसून की गतिविधियां थम से गई थीं। हालांकि कहीं-कहीं हल्की बारिश होती रही। मंगलवार को रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग, बलौदबाजार, गौरेला-पेंड्रा-मरवाहीसमेत कई जिलों में झमाझम बारिश हुई। इसके चलते लोगों को गर्मी और उमस से राहत मिली है। मौसम विभाग के मुताबिक छत्तीसगढ़ के लगभग सभी संभागों के ज्यादातर जिलों में अगले तीन-चार दिनों तक प्री-मानसून की अच्छी बारिश होगी। इस दौरान मानसून के आगे बढ़ने की फेवरेबल कंडीशन बनेगी। तीन से चार दिनों में मानसून के मध्य छत्तीसगढ़ समेत कुछ हिस्सों में सक्रिय होने की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक प्रदेश में आज रायपुर, दुर्ग बिलासपुर, सरगुजा और बस्तर संभाग के जिलों में बारिश के आसार हैं। मौसम विभाग के अनुसार आज रायपुर, बलौदा बाजार, गरियाबंद, धमतरी, दुर्ग, बालोद, बेमेतरा, कबीरधाम, राजनांदगांव, बिलासपुर, पेंड्रा रोड, रायगढ़, मुंगेली, कोरबा और जांजगीर में बारिश की संभावना है।

छत्तीसगढ़ में अब मंत्री व सीनियर अफसरों से मिलने कर्मचारियों को लेनी होगी विभागीय अनुमति

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में अब मंत्रियों से मिलने के लिए अधिकारियों और कर्मचारियों को विभागीय अनुमति लेनी होगी। इसके बिना उनसे मुलाकात नहीं कर सकेंगे। यदि अनुमति लिए बिना मंत्री या सीनियर अफसरों से मिलने मंत्रालय जाते हैं तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। सामान्य प्रशासन विभाग ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों के लिए यह फरमान जारी किया है। यदि कोई शासकीय सेवक विभागीय चैनल की अनुमति प्राप्त किए बिना मुख्यमंत्री, मंत्री, वरिष्ठ अधिकारियों के समक्ष उपस्थित होता है तो इस प्रकार की उपस्थिति छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम 1965 के नियम 21 के अंतर्गत कदाचरण मानी जाएगी और संबंधित शासकीय सेवक के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस संबंध में स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव मनोज कुमार पिंगुआ ने आदेश जारी किया है।

कई मामलों में यह देखा गया है कि कोई व्यक्तिगत समस्या के निराकरण हेतु संबंधित शासकीय सेवक मंत्रालय में मिलने आते हैं, उनके समस्या का निराकरण संबधित विभागाध्यक्ष कार्यालय या जिला कार्यालय के स्तर से ही किया जा सकता है। यदि किसी प्रकरण विशेष के निराकरण अनुमति हेतु पत्र मंत्रालय को संदर्भित किया गया है तो संबंधित कार्यालय द्वारा ही फॉओ-अप किया जा सकता है। इस हेतु संबंधित कर्मचारी को मंत्रालय भेजने की आवश्यकता नहीं है। परिपत्र के माध्यम से सभी विभागीय अधिकारियों व कर्मचारियों को निर्देशित किया गया है कि अपनी निजी समस्या के लिए मंत्री, वरिष्ठ अधिकारी के समक्ष उपस्थित होना आवश्यक हो तब भी शासकीय सेवक को उक्त संबंध में 'उचित माध्यम से' सक्षम अधिकारी की अनुमति प्राप्त करनी होगी।

सरकार ने जारी किया आदेश

उल्लेखनीय है कि शासकीय सेवकों एवं अन्य सेवाओं से संबंधित मामलों के निराकरण हेतु उचित माध्यम से वरिष्ठ अधिकारियों को अभ्यावेदन प्रस्तुत करने के निर्देश पूर्व से ही दिए गए हैं। परिपत्र में कहा गया है कि उपरोक्त निर्देशों के बावजूद यह देखा जा रहा है कि शासकीय सेवकों द्वारा सीधे मंत्री, वरिष्ठ अधिकारी के समक्ष बिना विभागीय अनुमति प्राप्त किये उपस्थित हो रहे हैं। इस प्रकार की कार्य प्रणाली से न सिर्फ कर्मचारियों का अनुशासन प्रभावित होता है, बल्कि संबंधित कर्मचारी का भी समय व्यर्थ नष्ट होता है जिसके कारण उनके कार्यस्थल की सेवा भी प्रभावित होती है।

मंत्रियों के दफ्तर से छंटेगी भीड़

श्रीकंचनपथ

गुस्ताखी माफ
- दीपक रंजन दास

मंत्री के यहां भीड़ न लगे तो फिर मंत्री बनने का क्या फायदा। जिसके यहां भीड़ न लगे उस मंत्री को निकम्मा मान लिया जाता है। इसलिए मंत्री जी के बंगले पर सुबह-सुबह भीड़ लगती है। कुछ मंत्रियों के बंगले पर देर रात तक लोगों का मजमा लगा रहता है। इससे किसी को दिक्कत भी नहीं होनी चाहिए क्योंकि यह लोगों का व्यक्तिगत समय होता है जिसका उपयोग वो अपने ढंग से कर सकते हैं। पर जब यही भीड़ मंत्री के दफ्तर में भी लगने लगे तो काम-काज बाधित होने लगते हैं। लोग ऐसे मंत्रियों को पसंद करते हैं जिनके एक फोन से काम बन जाता है। इसीलिए लोग छोटी-छोटी समस्याओं को लेकर भी सीधे मंत्रीजी के पास पहुंच जाते हैं। इनमें बड़ी संख्या में सरकारी कर्मचारी और अधिकारी भी शामिल होते हैं। सरकारी आदमी के अधिकांश मामले ट्रांसफर-पोस्टिंग के होते हैं। कोई कार्रवाई की मांग को लेकर पहुंचता है तो कोई कार्रवाई रुकवाने के लिए मंत्री का हस्तक्षेप चाहता है। कुछ चुगलखोर टाइप भी होते हैं जो अपने दफ्तर की हर बात मंत्रीजी के साथ शेयर करने को अपना परम कर्त्तव्य समझते हैं। मंत्रीजी से दफ्तर में मिलने वालों का एक खास पैटर्न होता है। ये पहले अपनी नियुक्ति स्थल पर जाते हैं। वहां हाजिरी लगाकर घंटा-दो घंटा रुकते हैं। पान-गुटखा चबाते हैं और फिर मंत्रालय जाने के बहाने निकल लेते हैं। इसका सहकर्मियों पर खासा प्रभाव पड़ता है। उनकी नजरों में ऐसे अधिकारी की इज्जत कई गुणा बढ़ जाती है जो किसी गुप्त कार्य से हर हफ्ते-दो हफ्ते में मंत्रालय जाता है। ऐसा व्यक्ति जब घर से निकलता है तब भी अड़ोसी-पड़ोसियों को भी बताते चलता है कि आज मंत्रालय जाना है। इसका मोहल्ले में रौब पड़ता है। पर परेशान और नाराज वो लोग होते हैं जो इन अधिकारियों से मिलने के लिए उनके दफ्तर पहुंचते हैं। टका सा जवाब मिलता है कि साहब मंत्रालय गये हैं। साहब की अनुपस्थिति के कारण कई काम टल जाते हैं। फाइलों पर दस्तखत नहीं हो पाते, आवश्यक दिशा-निर्देश समय पर नहीं मिलते। इसके कारण काम अटक जाते हैं। उधर अनावश्यक भीड़ के कारण मंत्रालय में भी काम-काज प्रभावित होता है। मंत्रीजी खुद अपना काम भी नहीं कर पाते हैं। इसलिए अब सामान्य प्रशासन विभाग ने दिशा निर्देशों का कड़ाई से पालन कराने का परिपत्र जारी कर दिया है। सरकारी कर्मचारी और अधिकारी को अब मंत्रालय जाने के लिए कारण दर्शाते हुए अपने दफ्तर से अनुमति लेनी होगी। साथ ही मंत्रालय में अपाइंटमेंट भी बुक करना होगा। सरकार के अब तक के तेवरों से तो ऐसा ही लग रहा है कि इस बार वह गंभीर है। आम आदमी को इससे दो सीधे फायदे होंगे। मंत्रालय में भीड़ छंटेगी तो उनकी मुलाकात आसान हो जाएगी। अधिकारी-कर्मचारी अपने दफ्तर में बैठने लगे तो समस्याओं का निराकरण वहीं हो जाएगा। काम-काज स्थानीय तौर पर ही हो जाए तो भागदौड़ की जरूरत भी नहीं होगी।

संपादकीय

मानसून का इंतजार

कंक्रीट के जंगलों से सशहांत में पहाड़ों की ओर भागने वालों के लिए अब वहां भी बहुत राहत नहीं, क्योंकि मसूरी, देहरादून जैसी जगहें भी अब तपने लगी हैं। उत्तर भारत में जब तापमान 47 डिग्री सेल्सियस के ऊपर कहर बरपा रहा है और मौसम विभाग गरमी के रिकॉर्ड टूटने के एलान कर रहा, ठीक उसी समय पूर्वोत्तर के सिक्किम में मूसलाधार बारिश से हुए भू-स्खलन के कारण करीब दो हजार पर्यटकों को 'एयरलिफ्ट' करने की नौबत आन पड़ी है।

> भू-स्खलन की वजह से राष्ट्रीय राजमार्ग-10 के क्षतिग्रस्त होने के कारण बंगाल और सिक्किम का सड़क संपर्क टूट गया है। एक तरफ असह्य गरमी और लू के कारण लोग अपनी जान गंवा रहे, तो दूसरी ओर भू-स्खलन के कारण लोगों के मारे जाने की खबरें मिल रही हैं। इन दो अतियों के बीच प्रकृति शासकीय व्यवस्था और इंसानी सब्र व अक्ल की परीक्षा ले रही है। प्रशासनिक तंत्र की परीक्षा इस मायने में कि जल और बिजली की निर्बाध आपूर्ति तमाम राज्य सरकारों के आगे एक बड़ी चुनौती बनकर खड़ी हो गई है, तो वहीं नागरिकों का इम्तिहान इस लिहाज से कि सब्र के साथ मानसून का इंतजार करते हुए वे पर्यावरण को और ज्यादा बिगड़ने न देने के क्या कुछ सबक सीख पाए!

कुदरत नाराज है, इसे जानने के लिए किसी नजूमी की अब दरकार नहीं, क्योंकि दुनिया भर के खगोल विज्ञानी दशकों से आगाह करते आ रहे हैं कि धरती की आबोहवा तेजी से बिगड़ रही है। साइंसदां यह तक बता चुके हैं कि किन-किन वजहों से पृथ्वी का जलवायु परिवर्तन हो रहा है और इसके कारण चक्रवाती तूफानों व अतिवृष्टि या अनावृष्टि की बारंबारता बढ़ रही है। मगर न दुनिया का राजनीतिक नेतृत्व इसे लेकर पर्याप्त गंभीर दिखा और न सुविधापरस्त आबादी ही संवेदनशील हुई है। कार्बन उत्सर्जन में कटौती पर विकसित देश लगातार चालें चलते रहे हैं और हालत यह है कि आज से ठीक एक साल पहले संयुक्त राष्ट्र ने बताया, सन् 1997 से 2022 के बीच अकेले यूरोप के ग्लेशियरों की लगभग 880 क्यूबिक किलोमीटर बर्फ पिघल चुकी है। अब जब संकट बिल्कुल दरवाजे पर आ खड़ा हुआ है, तब भी कोई ठोस आश्वस्ति नहीं है कि पर्यावरण को बचाने के लिए युद्ध-स्तर पर कदम उठाए जाएं।

बहरहाल, उत्तर भारत को बेसब्री से मानसून की प्रतीक्षा है। इसकी रफ्तार पर करीब से नजर रख रहे मौसम विज्ञानियों का कहना है कि इस महीने के अंत में उत्तर भारतीय राज्यों में मानसून के पूरी तरह सक्रिय होने के बाद ही गरमी से निजात मिल सकेगी, हालांकि उसके पहले हल्की फुहारें फौरी राहत दे सकती हैं। इस साल बेहतर मानसून का पूर्वानुमान किसानों के लिए जहां शुभ सूचना है, वहीं यह शहरी निकायों के कर्ताधर्ताओं की फिर एक बार परीक्षा लेगा। देश वर्षों से स्मार्ट सिटी के सपने देख रहा है। मगर दुर्योग से हमारे शहर जलभराव और लंबे जाम के लिए ही सुर्खियों में रहते हैं। इसी तरह, भवन-निर्माण महकमे को भी शहरों की जर्जर इमारतों को चिह्नित कर जरूरी एहतियाती कदम उठा लेने चाहिए। वैसे तो मौसम के बिगड़े मिजाज का सबसे बुरा असर गरीब लोगों पर पड़ता है, मगर इस बार की भीषण गरमी ने सुविधाभोगी लोगों को भी बता दिया कि कुदरत उनको बख्शने नहीं वाली। कंक्रीट के शहरी जंगलों से सशहांत में पहाड़ों की ओर भागने वालों के लिए अब वहां भी बहुत राहत नहीं, क्योंकि मसूरी, देहरादून जैसी जगहें भी अब तपने लगी हैं। इसलिए बेहतर होगा कि तरक्की की इमारतें खड़ी करते हुए प्रकृति के साथ तालमेल न बिगाड़े जाएं, तब मानसून के इंतजार में यूं तड़पना न पड़ेगा!

जितने मारे जाएंगे, उतना आतंक कम होगा

सुनील दास

बस्तर में पहले नक्सलियों की संख्या कम जितनी नहीं होती थी उससे ज्यादा हर साल नई भर्ती कर संख्या बढ़ जाती थी। बस्तर में नक्सलियों की संख्या बढ़ने का मतलब है कि नक्सली गतिविधियों का बढ़ना, नक्सली आतंक का गांवों में बढ़ना। सीधी सा गणित है कि ज्यादा नक्सली मतलब ज्यादा आंतक। कम नक्सली मतलब कम आतंक। पहले की सरकारें नक्सलियों की संख्या कम किए बिना नक्सली आंतक को खत्म करना चाहती थी और खत्म नहीं कर पाती थी क्योंकि जितने नक्सली मारे नहीं जाते थे, उससे ज्यादा नक्सली भर्ती हो जाते थे, इससे नक्सलियों की संख्या कम नहीं होती थी और नक्सलियों का आतंक भी कम नहीं होता था।

छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय सरकार राज्य की दूसरी सरकारों से इस मामले में अलग है कि वह यह सोचती ही नही है कि नक्सलियों की संख्या कम किए बिना नक्सलियों का आतंत समाप्त किया जा सकता है। बस्तर को नक्सल मुक्त किया जा सकता है। उसका सीधा सोचना है कि बस्तर को नक्सल मुक्त कराने के लिए जरूरी है कि बस्तर में नक्सलियों की संख्या कम की जाए। रोज कम की जाए। भले ही इसके लिए रोज नक्सलियों का मारना पड़े, नक्सलियों को रोज गिरफ्तार किया जाए या ऐसी स्थिति बस्तर में बना दी जाए कि नक्सली रोज बस्तर में बड़ी संख्या में सरेंडर करें। बस्तर में नक्सलियों की संख्या तेजी से इसलिए कम हो रही है कि रोज साय सरकार का नक्सली सफाया अभियान जारी है।

हर सप्ताह यह पता लागाया जाता है कि नक्सलियों का मूवमेंट कहां से कहा हो रहा है और फिर मौके पर उनकी घेराबंदी कर उनको जितनी बड़ी सख्या में ढेर किया जा सके, ढेर किया जा रहा है। वह भी उस क्षेत्र में जो कभी नक्सलियों का सुरक्षित किला माना जाता था, जहां पुलिस के जाने का मतलब होता ता, सुरक्षित वापस न लौटना। इस बार नारायणपुर के अबुझमाड़ के जंगल में जवानों की नक्सलियों से मुठभेड़ हुई। इस मुठभेड़ के दौरान जवानों ने आठ नक्सलियों का मार गिराया।यह आपरेशन गुरुवार को शुरू हुआ था और शनिवार देर रात 48 घंटे बाद पूरा हुआा। सुरक्षा बलों का दावा है कि कई नक्सली गोली लगने से घायल हुए है, उन्हें बचाने के लिए ही नक्सील मैदान छोड़कर भाग गए।

चार जिलों के 900 जवानों ने यह आपरेशन चलााया। सीएम साय ने आठ नक्सलियों के मारे जाने पर जवानों को बधाई दी है और एक जवान के शहीद होने पर दुख व्यक्त किया है। उन्होंने कहा है कि सरकार नक्सलियों के खात्मे के लिए तत्पर है। लक्ष्य पूरा होने तक चुप नहीं बैठेगें। सही मायने अब राज्य को एक मजबूत सीएम मिली है जो नकसलियों के सफाए के गंभीर है और उसके लिए पूरी गंभीरता से प्रयास भी किया जा रहा है। सरकार के आक्रामक होने का परिणाम है कि नक्सली बैकफुट पर है। वह हमला करने की बजाय सुरक्षा बलों का सामना करने से बच रहे है, इसलिए बस्तर में पिछले कुछ महीनो में नक्सलियों के हाथों मारे जाने वाले या शहीद होने वाले जवानों की संख्या कम हो गई है।

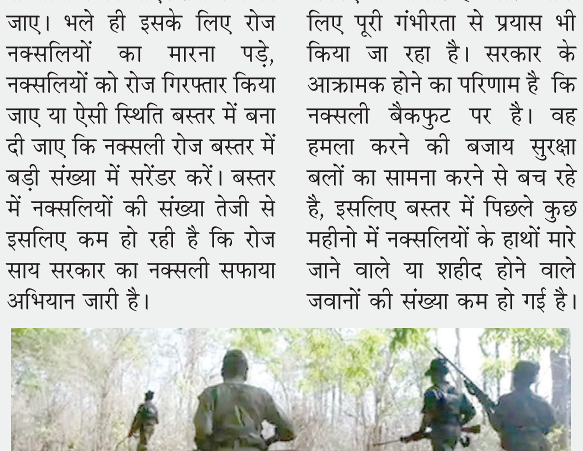

नजरिया

इतने क्यों तपने लगे हमारे घर-शहर

बेतहाशा बढ़ रही गरमी की एक वजह कार्बन उत्सर्जन नियंत्रित करने की हमारी विफलता भी है। यह सही है कि जलवायु परिवर्तन के कारण अब हमारे शहर 50 डिग्री सेल्सियस तक गरम होने लगे हैं।

केके पांडेय, प्रोफेसर, अर्बन मैनेजमेंट, आईआईपीए

बेतहाशा बढ़ रही गरमी की एक वजह कार्बन उत्सर्जन नियंत्रित करने की हमारी विफलता भी है। यह सही है कि जलवायु परिवर्तन के कारण अब हमारे शहर 50 डिग्री सेल्सियस तक गरम होने लगे हैं, लेकिन सच यह भी है कि शहरी नियोजन और प्रबंधन में जो सामंजस्य दिखना चाहिए, वह नहीं दिख रहा। राजधानी दिल्ली में ही मास्टर प्लान 2041 तैयार है, जिसमें 'ब्लू-ग्रीन पॉलिसी' पर खूब जोर दिया गया है। यहां 'ब्लू' का अर्थ है, जल-स्रोतों और कचरे का उचित प्रबंधन। यानी, दिल्ली के भूगोल में जल-इकाइयों को बेहतर बनाना और कूड़े का वाजिब निस्तारण करना।

विकसित देशों में पांच से दस प्रतिशत कचरा ही डंपिंग ग्राउंड में जाता है, जबकि अपने यहां इसका उल्टा हो रहा। चूंकि कचरा कार्बन उत्सर्जन का एक बड़ा स्रोत होता है, इसलिए माना गया है कि सीवेज और कूड़े का प्रबंधन आबोहवा को बेहतर बना सकता है। वहीं, मास्टर प्लान में 'ग्रीन' का अर्थ है- हरित पट्टियां या हरियाली का विस्तार। इसके तहत शहरी वानिकी को बढ़ाने का प्रयास किया जाता है। तापमान नियंत्रित रखने का यह एक मान्यता प्राप्त तरीका है। मगर विडंबना यह है कि इस मास्टर प्लान को अब तक अधिसूचित नहीं किया जा सका है।

पर्यावरण की अनदेखी का यह इकलौता मामला नहीं है। साल 2021 में कॉप-26 की बैठक में हमारी तरफसे यही कहा गया कि साल 2070 तक हम शून्य उत्सर्जन, यानी नेट जीरो के लक्ष्य तक पहुंच सकते हैं, जबकि अमेरिका व यूरोपीय संघ ने वर्ष 2050 तक और चीन ने 2060 तक इस लक्ष्य को पाने का भरोसा दिया है। यहां यह जानना महत्वपूर्ण होगा कि कार्बन उत्सर्जन के मामले में चीन, अमेरिका और यूरोपीय संघ के बाद भारत का ही स्थान आता है। हालांकि, इसका यह अर्थ नहीं कि शहरी नियोजन में हमने पर्यावरण को लेकर आंखें मूंद रखी हैं। पिछले कुछ वर्षों से, जब से यह मुद्दा जोर-शोर से सामने आया है, इस संदर्भ में तमाम तरह की योजनाएं बनाई गई हैं। मगर जितनी तत्परता योजनाएं बनाने में की गईं, संभवत: उतनी ही सुस्ती उनके क्रियान्वयन में बरती गई। प्रबंधन और नियोजन में तालमेल की इस कमी को दूर करना बहुत आवश्यक है।

दरअसल, योजनाओं का प्रबंधन सही तरीके से न हो, तो लक्ष्य को पाना मुश्किल होता है। यही कारण है कि उन इलाकों में, जहां सुविधाएं प्रदान नहीं की गई हैं, जहां हरित-पट्टी का अभाव है, जहां पार्क नहीं हैं या जहां वानिकी विकसित नहीं की गई है, गरमी का प्रकोप अधिक रहता है। शहरों में हरित क्षेत्र लगातार सिमट रहे हैं, जिसे बढ़ाने के लिए नियोजित ढंग से प्रयास किए जाने की जरूरत है। साल 2015 में तेलंगाना ने ऐसे ही एक सफल प्रयास की शुरुआत की थी। 'हरिता हारम' नामक इस योजना में राज्य के हरित क्षेत्र को 24 फीसदी से बढ़ाकर 33 प्रतिशत करने का लक्ष्य रखा गया था और अब तक कई दूसरे प्रयासों के अतिरिक्त यहां के शहरों में 75 हजार हेक्टेयर से अधिक भूमि पर 109 से अधिक पार्क विकसित किए जा चुके हैं। इस योजना में वृक्षारोपण के साथ-साथ उनकी देखभाल के लिए इन्सेंटिव की व्यवस्था भी की गई है।

इसी तरह, तापमान को नियंत्रित रखने के लिए वर्षा-जल के संरक्षण और दूषित जल के दोबारा इस्तेमाल की व्यवस्था भी आवश्यक है। मगर यहां तो जलापूर्ति में भी खासा कुप्रबंधन दिखता है। जल-संकट तो अपनी जगह है, लेकिप इसे नल के जरिये घरों तक पहुंचाने में ही करीब 30-40 फीसदी पानी बर्बाद हो जाता है। इस लीकेज को यदि हम रोक सकें, तो स्वाभाविक ही पानी की उपलब्धता बढ़ जाएगी। मगर इसके लिए पानी की पाइपों की नियमित देखभाल अनिवार्य है, जिसमें हमारा तंत्र चूक जाता है।

यह सिर्फ एक धारणा है कि बड़े शहरों में बहुमंजिली इमारतें ताप को न्योता देती हैं। अलबत्ता, चीन, कोरिया, हांगकांग ने तो ऐसे ही कार्यों से विकास का रास्ता नापा है। वास्तव में, कमी बहुमंजिली इमारतों के निर्माण में नहीं, बल्कि बुनियादी ढांचों की कमी में है। अपने देश में शहरी निर्माण-कार्यों के तहत इमारतें तो बना दी जाती हैं, लेकिन जरूरी हरित पट्टी का विकास नहीं किया जाता। विकास-कार्यों के नाम पर पौधों की बलि ले ली जाती है, लेकिन शहरी वानिकी बढ़ाने पर अमूमन गौर नहीं किया जाता। अब तो कई देशों में 'ग्रीन बिल्डिंग' भी बनने लगी हैं, जिसके तहत बनाई गई इमारतों में गरमी सहने की क्षमता अधिक होती है, लेकिन अपने यहां दिल्ली से सटे गुरुग्राम में संभवत: एक इमारत ही इस नई तकनीक पर बनाई जा सकी, शेष बिल्डरों ने मानो उदासीनता बरत रखी है।

जल-इकाइयों को लेकर भी हमारा व्यवहार रूखा रहता है। गुरुग्राम या बेंगलुरु जैसे बड़े शहरों में भी जल-इकाइयां बढ़ाना तो दूर, पानी के प्राकृतिक बहाव को भी हमने बाधित कर दिया है। ऐसे कई उदाहरण देश भर में पसरे हुए हैं कि कैसे नदी-पेटी में अथवा डूब क्षेत्र को भी निर्माण-योजना का हिस्सा बना दिया गया, झीलें खत्म कर दी गईं, तालाब पाट दिए गए और हरित क्षेत्रों को निर्माण-कार्यों की भेंट चढ़ा दिया गया। जब तक इन विसंगितयों को दूर करने के प्रयास नहीं होंगे, हमारे शहर यूं ही तपने को विवश होते रहेंगे।

कूड़ा निस्तारण, जल-स्रोतों का विस्तार, हरियाली का विकास, ग्रीन बिल्डिंग पर जोर, सुगम यातायात व्यवस्था, जल प्रबंधन आदि ऐसे क्षेत्र हैं, जिन पर काम करने की जरूरत है। बदलते परिवेश में नियोजन और प्रबंधन में तेज रफ्तार आवश्यक है। रास्ता यहीं से निकलेगा। शहरों का जो विस्तार अब हो रहा है, उनमें तो कुछ हद तक इन मापदंडों का ख्याल रखा जाता है, लेकिन जिन इलाकों में पहले से ही बेतरतीब इमारतें बन चुकी हैं, वहां के लिए खास नीतियां बनानी होंगी। स्मार्ट सिटी के तहत शहरों की बेहतरी की कुछ योजनाएं बनाई गई हैं। अब यह चिह्नित करने की जरूरत है कि स्मार्ट शहरों में क्या-क्या काम हुए हैं। हमें उन कामों को आगे बढ़ाना ही होगा, जो 'नए विकास' को पर्यावरण के अनुकूल बनाए। अब चूंकि वैश्वीकरण का दौर है, तो कोई भी नई संकल्पना किसी एक परिधि तक नहीं सिमटी रह सकती। हम अन्य देशों से भी सबक लेकर अपने यहां पर्यावरण के अनुकूल शहरों का विकास कर सकते हैं। इससे हमारे लिए शून्य कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य पाना कहीं ज्यादा आसान हो जाएगा।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

कई प्रमुख टीमें विश्व कप से हुईं बाहर, अब शुरू होगी सुपर-8 की जंग

आदर्श प्रकाश सिंह

आजकल टी-20 विश्व कप के मैच खेले जा रहे हैं। यह सबसे बड़ा विश्व कप है क्योंकि इस बार 20 टीमें इसमें हिस्सा ले रही हैं। इन टीमों को चार ग्रुप में बांटा गया है। हर ग्रुप से दो टीमें सुपर-8 में प्रवेश करेंगी। इस चरण की तस्वीर काफी हद तक साफ हो गई है। हैरानी की बात यह है कि न्यूजीलैंड, श्रीलंका और पाकिस्तान की टीम सुपर-8 में नहीं जा पाईं जबकि पहली बार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कदम रखने वाली अमेरिका की टीम इस चरण में प्रवेश कर गई है। अमेरिका विश्व कप का सह मेजबान है जो आमतौर पर क्रिकेट नहीं खेलता। मगर, उसकी टीम ने सुपर-8 में प्रवेश कर सबको चौंका दिया है। कैरीबियाई देशों का समूह वेस्ट इंडीज भी इस विश्व कप का मेजबान है। शुरुआती मैच न्यूयार्क के नसाउ काउंटी मैदान पर खेले गए। भारत ने अपने तीन मैच खेल लिये हैं और इन तीनों को जीत कर सुपर-8 में पहुंच चुका है। शनिवार को भारत का कनाडा से होने वाला आखिरी लीग मैच बारिश की भेंट चढ़ गया। भारत से हारने वाली एक टीम पाकिस्तान भी है जिसे रोमांचक मुकाबले में हमारी टीम ने 6 रन से हरा दिया। भारत और पाकिस्तान के मैच को लेकर रोमांच चरम पर होता है। पूरी दुनिया के खेल प्रेमी इस मुकाबले पर नजर गड़ाए रहते हैं।

विश्व कप चाहे वनडे हो या टी-20, भारत का पाकिस्तान के खिलाफ रिकॉर्ड बहुत उम्दा रहा है। केवल एक बार 2021 के टी-20 विश्व कप में हम पाकिस्तान से हार गए थे। यह मैच दुबई में हुआ था। इसके अलावा हर बार भारत ही विजेता रहा है। इस बार जब दोनों टीमें 9 जून को भिड़ीं तो एक समय पाकिस्तान का पलड़ा भारी लग रहा था। वजह, पहले बल्लेबाजी करते हुए टीम इंडिया ने केवल 119 रन बनाए थे। यह लक्ष्य कोई मुश्किल नहीं था। लेकिन 14वें ओवर के बाद भारतीय गेंदबाजों ने ऐसा शिकंजा कसा कि पाकिस्तानी बल्लेबाज आउट होते चले गए। अंततरू भारत 6 रन से जीत गया। बुमराह की गेंदबाजी ने पाक की कमर तोड़ दी। खासतौर से रिजवान को जब बुमराह ने बोल्ड आउट किया तो उसके बाद से ही मैच का रुख भारत की ओर मुड़ गया। छोटे लक्ष्य का बचाव करते हुए भारत ने अपनी झोली में मैच डाल लिया। इसके बाद जैसा कि भारत से हारने के बाद हमेशा होता है, सोशल मीडिया पर पाकिस्तानी खिलाड़ियों को खूब लताड़ा गया।

इस बार का विश्व कप कई उलट फेर का शिकार हो रहा है। मसलन, अमेरिका जैसी नौसिखिया टीम ने सुपर ओवर में पाकिस्तान को हरा दिया। इसी तरह अफगानिस्तान ने श्रीलंका और न्यूजीलैंड को हरा दिया। इससे कुछ मजबूत टीमों के लिए संकट खड़ा हो गया है। पाकिस्तान की किस्मत खराब थी कि वह सुपर-8 से बाहर हो गया है। शुक्रवार को आयरलैंड और अमेरिका का मैच बारिश की वजह से धुल गया। अंक बंटने से अमेरिका सुपर-8 में पहुंच गया। शनिवार को दक्षिण अफ्रीका भी उलटफेर का शिकार होने से बच गया। नेपाल की टीम रोमांचक मुकाबले में एक रन से हार गई। आखिरी गेंद पर नेपाल को जीत के लिए दो रन चाहिए थे। अगर ऐसा हो जाता तो दक्षिण अफ्रीकी टीम हार जाती। न्यूयार्क की पिच को लेकर इस दौरान खूब चर्चा हो रही है। यहां रन बनाना कठिन हो गया है। 20 ओवर में मुश्किल से 100 या सवा सौ के आसपास रन बन रहे हैं। दोषपूर्ण पिच के बारे में आईसीसी से भी शिकायत की गई है। आयरलैंड के साथ भारत के मैच के दौरान कई खिलाड़ियों के शरीर पर गेंद लगी। असमान उछाल वाली ऐसी पिच क्यों बनाई गई, इस पर सवाल उठ रहे हैं। दरअसल, ये पिचें बाहर से लाकर यहां स्थापित की गई हैं। इन्हें ड्राप इन पिंच कहा जा रहा है।

सुपर-8 के मैच कैरीबियाई देशों में खेले जाएंगे। जिसे हम वेस्ट इंडीज के नाम से जानते हैं। जाहिर है, वहां की पिचों का मिजाज अलग होगा। अमेरिकी मैदान पर रनों के लाले पड़ गए थे लेकिन वेस्ट इंडीज में हालात अलग होंगे। भारत का सुपर-8 में पहला मैच 20 जून को अफगानिस्तान से है। इस चरण में आस्ट्रेलिया से भी भारत को खेलना होगा जो मजबूत टीम है। इसके बाद सेमी फाइनल और फाइनल की लड़ाई है। 19 जून से सुपर-8 चरण के मैच शुरू होंगे। फाइनल 29 जून को ब्रिजटाउन में खेला जाएगा। भारत के लिए इस बार 17 साल के बाद खिताब जीतने का सुनहरा अवसर है। मजबूत प्रतिद्वंद्वी के रूप में गिनी चुनी टीमें बची हैं। इंग्लैंड सुपर-8 में आ गया है। अंग्रेज टीम से चौकन्ना रहना होगा। पिछले विश्व कप में इंग्लैंड ने सेमी फाइनल में भारत को बुरी तरह हराया था। विराट कोहली का प्रदर्शन चिंता की वजह है। तीन मैचों में उनके केवल पांच रन बने हैं। उनसे पारी की शुरुआत कराने का प्रयोग नाकाम साबित हो रहा है। इस नाते युवा ओपनर यशस्वी जायसवाल को अभी तक कोई मैच नहीं खिलाया गया। विराट ने आईपीएल में पारी का आगाज करते हुए अच्छे रन बनाए थे लेकिन विश्व कप में अभी तक वह बिल्कुल ही विफल रहे हैं। सुपर-8 चरण में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के खिलाफ मैचों में विराट की नाकामी भारत को बहुत भारी पड़ेगी।

(ये लेखक के विचार हैं)

ईवीएम की विश्वसनीयता पर सवाल

इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) से छेड़छाड़ के दावे और सवाल रविवार को एक बार फिर से उठ खड़े हुए। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मीडिया में मुंबई की एक खबर-जिसमें आरोप लगाया गया है कि मुंबई उत्तर पश्चिम लोक सभा सीट से शिवसेना उम्मीदवार के एक रिश्तेदार ने चार जून को मतगणना के दौरान एक मोबाइल फोन का इस्तेमाल किया था जो ईवीएम से जुड़ा हुआ था-का हवाला देते हुए ईवीएम की विश्वसनीयता पर सवाल उठाया। हालांकि चुनाव आयोग ने मोबाइल से लिंक के दावे को खारिज कर दिया है, और फिर से स्पष्ट किया है कि ईवीएम स्वतंत्र प्रणाली है, और इसमें सुरक्षा के मजबूत उपाय हैं। राहूल गांधी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' के चेयरमैन एवं टेस्ला के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) एलन मस्क के एक पोस्ट का हवाला भी दिया जिसमें मस्क ने दावा किया है कि ईवीएम में छेड़छाड़ का खतरा बहुत अधिक है। उनका कहना है कि ईवीएम को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जरिए हैक किया जा सकता है, इसलिए इसे हटाया जाना चाहिए। इसके बाद राहुल गांधी ने कहा कि ईवीएम एक 'ब्लैक बॉक्स' है, और किसी को भी उसकी जांच की अनुमति नहीं है।

इसी प्रकार उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी ईवीएम की विश्वसनीयता पर सवाल उठाते हुए आगामी सभी चुनाव मतपत्रों के जरिए कराने की मांग की है। बहरहाल, इस प्रकार ईवीएम पर सवाल उठाया जाना कोई नई बात नहीं है। काफी समय तक ईवीएम को लेकर पक्ष-प्रतिपक्ष के बीच तकरार रही। मामला अदालत में भी पहुंचा। अदालत ने स्पष्ट फैसला देकर इस विवाद का अंत कर दिया था। लेकिन नये घटनाक्रम के बाद प्रतिपक्ष ईवीएम को फिर से संदेह के घेरे में लाने को प्रेरित हुआ है। उसे चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता को लेकर गंभीर चिंता जतलाने, बल्कि कहें कि चुनाव में धांधली की आशंका जताने का मौका भी मिल गया है। प्रतिपक्ष चुनाव से जुड़ी संस्थाओं की जवाबदेही पर सवाल उठा रहा है, और जवाबदेही के अभाव में लोकतंत्र के दिखावा भर रह जाने की बात कह रहा है। ईवीएम को लेकर एक बार फिर से सियासी घमासान छिड़ना दुर्भाग्यपूर्ण है। जब ईवीएम को लेकर शक-संदेहों का चुनाव आयोग अपने स्तर पर निराकरण कर चुका है, अदालत ने भी व्यवस्था दे दी है, और सबसे बड़ी बात कि विपक्ष ईवीएम के जरिए चुनावी जीत को सहज लेता है, तो भी शक-संदेह जताना उसकी अपरिपक्वता दिखाता है।

भारत में लैंगिक असमानता की बढ़ती खाई

ललित गर्ग

विश्व आर्थिक मंच द्वारा हाल में प्रस्तुत किये गए लैंगिक अंतर के आंकड़ों ने एक ज्वलंत प्रश्न खड़ा किया है कि शिक्षा, आय, सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र में आधी दुनिया को उसका हक क्यों नहीं मिल पा रहा है? निस्संदेह, हमारे सत्ताधीशों को सोचना चाहिए कि लैंगिक अंतर सूचकांक में भारत 146 देशों में 129वें स्थान पर क्यों है? लगातार महिलाओं की दोयम दर्जा की स्थिति का बना रहना नीति-नियंताओं के लिये आत्ममंथन का मौका हैं। निश्चय ही यह स्थिति भारत की तरक्की के दावों से मेल नहीं खाती। इसके बावजूद उम्मीद जगाने वाला तथ्य है कि पिछले वर्ष जनप्रतिनिधि संस्थाओं में महिलाओं की एक तिहाई हिस्सेदारी को लेकर विधेयक पारित हो चुका है। इसके बावजूद हाल में सामने आए आंकड़े परेशान करने वाले हैं और तरक्की के दावों पर प्रश्नचिन्ह लगाते हैं। यह विचारणीय प्रश्न है कि सरकार द्वारा महिलाओं के कल्याण के लिए अनेक नीतियां बनाने और कायदे कानूनों में बदलाव के बावजूद लैंगिक असमानता की खाई गहरी क्यों होती जा रही है। ये स्थितियां समाज में इस मुद्दे पर खुले विमर्श की जरूरत को बताती हैं। हालिया लोकसभा चुनाव में सीमित मात्रा में महिलाओं के संसद में पहुंचने ने भी कई सवालों को जन्म दिया है। निश्चित रूप से तमाम सरकारी घोषणाओं के बावजूद जमीन पर महिला असमानता के दंश विद्यमान रहना बड़ी चुनौती है।

लैंगिक अंतर सूचकांक में पिछले साल भारत 127वें स्थान पर था, जो 2022 में 135वें स्थान से 1.4 प्रतिशत अंक और आठ पायदान ऊपर था। लेकिन इस वर्ष फिर दो पायदान ऊपर चढ़ा है। सूचकांक में भारत के पड़ोसी देश बांग्लादेश को 99वें, चीन को 106वें, नेपाल को 117वें, श्रीलंका को 122वें, भूटान को 124वें और पाकिस्तान को 145वें स्थान पर रखा गया है। आइसलैंड (93.5 फीसदी) फिर से पहले स्थान पर है और डेढ़ दशक से सूचकांक में सबसे आगे है। शीर्ष 10 में शेष नौ अर्थव्यवस्थाओं में से आठ ने अपने अंतर का 80 फीसदी से अधिक हिस्सा पाट लिया है। निश्चित तौर पर किसी भी समाज में पूर्ण लैंगिक समानता हासिल करने में लंबा समय लगता है, लेकिन इस दिशा में सत्ताधीशों की तरफसे ईमानदार पहल होनी चाहिए। यह भी एक हकीकत है कि दुनिया के सबसे ज्यादा आबादी वाले देश के आंकड़ों की तुलना दक्षिण एशिया के छोटे देशों से नहीं की जा सकती। इसमें दो राय नहीं कि पूरी दुनिया में सरकारों द्वारा लैंगिक समानता के लिये नीतियां बनाने के बावजूद अपेक्षित परिणाम नहीं निकले हैं। जिसकी एक वजह समाज में पुरुष प्रधानता की सोच भी है। जिसके चलते यह आभास होता है कि आधी दुनिया के कल्याण के लिये बनी योजनाएं महज घोषणाओं तथा फाइलों तक सिमट कर रह जाती हैं।

भारत में महिलाओं की उपेक्षा, भेदभाव, अत्याचार एवं असमानता की स्थितियों का बना रहना विडम्बनापूर्ण हैं। भारत में रोजगार और शिक्षा के क्षेत्र में महिलाओं को समान अधिकार दिलाने के स्वर तो बहुत सुनने को मिलते हैं, महिलाओं को आजादी के बाद से ही मतदान का अधिकार भी पुरुषों के बराबर दिया गया है, परन्तु यदि वास्तविक समानता की बात करें तो भारत में आजादी के 75 वर्ष बीत जाने के बाद भी महिलाओं की स्थिति चिन्ताजनक एवं विसंगतिपूर्ण है। हमारे सत्ताधीशों के लिये यह तथ्य विचारणीय है कि हमारे समाज में आर्थिक असमानता क्यों बढ़ रही है? हम समान कार्य के बदले महिलाओं को समान वेतन दे पाने में सफल क्यों नहीं हो पा रहे हैं? जाहिर है यह अंतर तभी खत्म होगा जब समाज में महिलाओं से भेदभाव की सोच पर विराम लगेगा। यह संतोषजनक है कि माध्यमिक शिक्षा में नामांकन में लैंगिक समानता की स्थिति सुधरी है। फिर भी महिला सशक्तीकरण की दिशा में बहुत कुछ किया जाना बाकी है। देर-सवेर महिला आरक्षण कानून का ईमानदार क्रियान्वयन समाज में बदलावकारी भूमिका निभा सकता है। जरूरत इस बात की है कि राजनीतिक नेतृत्व इस मुद्दे को अपेक्षित गंभीरता के साथ देखे।

महिलाएं ही समस्त मानव प्रजाति की धुरी हैं। वो न केवल बच्चे को जन्म देती हैं बल्कि उनका भरण-पोषण और उन्हें संस्कार भी देती हैं। महिलाएं अपने जीवन में एक साथ कई भूमिकाएं जैसे- मां, पत्नी, बहन, शिक्षक, दोस्त बहुत ही खूबसूरती के साथ निभाती हैं। बावजूद क्या कारण है कि आज भी महिला असमानता की स्थितियां बनी हुई है। महिलाओं के सशक्तिकरण के लिये जरूरी है कि अधिक महिलाओं को रोजगार दिलाने के लिए भारत सरकार को जरूरी कदम उठाने होंगे। सरकार को अपनी लैंगिकवादी सोच को छोड़ना पड़ेगा। क्योंकि भारत सरकार के खुद के कर्मचारियों में केवल 11 प्रतिशत महिलाएं हैं। सरकारी नौकरियों में महिलाओं के लिये अधिक एवं नये अवसर सामने आने जरूरी है। भारत में महिला रोजगार को लेकर चिंताजनक स्थितियां हैं। सेंटर फॉर मॉनीटरिंग इंडियन इकॉनमी (सीएमआईई) नाम के थिंक टैंक ने बताया है कि भारत में केवल 7 प्रतिशत शहरी महिलाएं ऐसी हैं, जिनके पास रोजगार है या वे उसकी तलाश कर रही हैं। सीएमआईई के मुताबिक, महिलाओं को रोजगार देने के मामले में हमारा देश इंडोनेशिया और सऊदी अरब से भी पीछे है। रोजगार या नौकरी का जो क्षेत्र स्त्रियों के सशक्तिकरण का सबसे बड़ा जरिया रहा है, उसमें इनकी भागीदारी का अनुपात बेहद चिंताजनक हालात में पहुंच चुका है। यों जब भी किसी देश या समाज में अचानक या सुनियोजित उथल-पुथल होती है, कोई आपदा, युद्ध एवं राजनीतिक या मनुष्यजनित समस्या खड़ी होती है तो उसका सबसे ज्यादा नकारात्मक असर स्त्रियों पर पड़ता है और उन्हें ही इसका खामियाजा उठाना पड़ता है।

दावोस में हुए वर्ल्ड इकनॉमिक फोरम में ऑक्सफैम ने अपनी एक रिपोर्ट 'टाइम टू केयर' में घरेलू औरतों की आर्थिक स्थितियों का खुलासा करते हुए दुनिया को चौका दिया था। वे महिलाएं जो अपने घर को संभालती हैं, परिवार का ख्याल रखती हैं, वह सुबह उठने से लेकर रात के सोने तक अनगिनत सबसे मुश्किल कामों को करती है। अगर हम यह कहें कि घर संभालना दुनिया का सबसे मुश्किल काम है तो शायद गलत नहीं होगा। दुनिया में सिर्फयही एक ऐसा पेशा है, जिसमें 24 घंटे, सातों दिन आप काम पर रहते हैं, हर रोज क्राइसिस झेलते हैं, हर डेडलाइन को पूरा करते हैं और वह भी बिना छुट्टी के। सोचिए, इतने सारे कार्य-संपादन के बदले में वह कोई वेतन नहीं लेती। उसके परिश्रम को सामान्यत: घर का नियमित काम-काज कहकर विशेष महत्व नहीं दिया जाता। साथ ही उसके इस काम को राष्ट्र की उन्नति में योगभूत होने की संज्ञा भी नहीं मिलती। प्रश्न है कि घरेलू कामकाजी महिलाओं के श्रम का आर्थिक मूल्यांकन क्यों नहीं किया जाता? घरेलू महिलाओं के साथ यह दोगला व्यवहार क्यों?

नरेन्द्र मोदी की पहल पर निश्चित ही महिलाओं पर लगा दोयम दर्जा का लेबल हट रहा है। हिंसा एवं अत्याचार की घटनाओं में भी कमी आ रही है। बड़ी संख्या में छोटे शहरों और गांवों की लड़कियां पढ़-लिखकर देश के विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। वे उन क्षेत्रों में जा रही हैं, जहां उनके जाने की कल्पना तक नहीं की जा सकती थी। वे टैक्सी, बस, ट्रक से लेकर जेट तक चला-उड़ा रही हैं। सेना में भर्ती होकर देश की रक्षा कर रही है। अपने दम पर व्यवसायी बन रही हैं। होटलों की मालिक हैं। बहुराष्ट्रीय कंपनियों की लाखों रुपये की नौकरी छोड़कर स्टार्टअप शुरू कर रही हैं। वे विदेशों में पढ़कर नौकरी नहीं, अपने गांव का सुधार करना चाहती हैं। अब सिर्फ अध्यापिका, नर्स, बैंकों की नौकरी, डॉक्टर आदि बनना ही लड़कियों के क्षेत्र नहीं रहे, वे अन्य क्षेत्रों में भी अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रही हैं। स्त्री शक्ति के प्रति सम्मान भावना ही नहीं, समानता, सह-अस्तित्व एवं सौहार्द की भावना जागे, तभी उनके प्रति हो रहे अपराधों में कमी आ सकेगी और लैंगिक असमानता को दूर किया जा सकेगा।

(ये लेखक के विचार हैं)

Sargam Musicals

Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair

DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688

RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में

COMPLETE FAMILY SALON

हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी

JITU'Z CUT N SHINE

93009-11331

रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

रमन (प्रा.) आई.टी.आई.
Recognised by: NCVT & DGT NEW DELHI, GOVT. OF INDIA
COPA
कोपा
STENOGRAPHER (Hindi)
स्टेनोग्राफर (हिन्दी)
योग्यता 10वीं उत्तीर्ण
(एक वर्षीय पाठ्यक्रम) - प्रवेश प्रारंभ
प्रवेश लेने पर फीस में विशेष छूट
एवं फीस मासिक किस्तों में
शासन द्वारा प्रदत्त छात्रवृत्ति योजना
Raman I.T.I. : बाबा दीप सिंह नगर (वैशालीनगर), भिलाई, जिला-दुर्ग, छ.ग.
Call : 0788-4033571, 7389471941, 0788-4903573 4903572, 7773027492

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

उर्दू-फारसी की जगह हिंदी शब्दों का प्रयोग करे पुलिस : गृहमंत्री

रायपुर। उप-मुख्यमंत्री व गृहमंत्री विजय शर्मा ने छत्तीसगढ़ पुलिस की कार्य प्रणाली में उर्दू, फारसी के शब्दों को हटाकर इनकी जगह सरल हिंदी शब्द जोड़ने के लिए राज्य के अपर मुख्य सचिव को पत्र लिखा है। पत्र में उन्होंने इस बात पर जोर दिया है कि छत्तीसगढ़ पुलिस अपनी लिखा-पढ़ी और बोलचाल में उर्दू, फारसी के शब्दों की जगह सरल हिंदी शब्दों का प्रयोग करे, ताकि आम जनता या पीड़ित को पुलिस की कार्यप्रणाली समझ आए। गृह मंत्री श्री शर्मा ने कहा है कि 1896 के समय से पुलिस विभाग में प्रयोग में लाए जा रहे कई शब्द आम लोगों की समझ में नहीं आते, इसलिए इन्हें बदलना आवश्यक है। छत्तीसगढ़ राज्य बनने के 24 साल बाद व्यापक जनहित यह अच्छी पहल होगी। हमारे पड़ोसी राज्य मध्य प्रदेश की पुलिस ने अब अपनी कार्य प्रणाली में उर्दू के शब्दों का प्रयोग नहीं करने का निर्णय लिया है। वहां पुलिस की लिखा-पढ़ी और बोलचाल की भाषा में उर्दू, फारसी और अन्य भाषाओं के 69 शब्दों का प्रयोग बंद करके इनकी जगह हिंदी के शब्दों का उपयोग किया जाने लगा है। यह अच्छा उदाहरण है।

जिले के सभी 2085 शासकीय स्कूलों में चलाया गया शाला स्वच्छता अभियान

सूरजपुर। शाला प्रवेश उत्सव के पूर्व जिला प्रशासन की अभिनव पहल पर आज जिले के सभी विकासखंड के शासकीय प्राथमिक, माध्यमिक, हाई व हायर सेकेंडरी स्कूलों में शाला स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। जिले के सभी 2085 स्कूलों में श्रमदान के माध्यम से इस कार्यक्रम का संपादन किया गया। शाला स्वच्छता अभियान में क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, स्कूली शिक्षक, विद्यार्थियों के पालक, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, स्व सहायता समूह की दीदियों, ग्रामवासी व अन्य के द्वारा स्वप्रेरणा से श्रमदान का कार्य किया गया। इसी के तहत आज शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला रुनियाडीह में कलेक्टर रोहित व्यास व अन्य ने श्रमदान कर शाला को स्वच्छ बनाने का कार्य किया। विद्यालय परिसर के अंदर कचरों का पृथक्करण किया गया, जिसमें पेड़ एवं पौधों से गिरे सूखे पत्तों को अलग से एकत्र कर उसे नापेड मे डाला गया ताकि उससे निर्मित खाद का उपयोग परिसर के पौधों में खाद के रूप मे किया जा सके। विद्यालय के छत की सफाई भी कि गई ताकि बरसाती पानी का ठहराव छत में ना हो।इसके साथ ही सभी के सहयोग से स्कूल के प्रत्येक कक्ष की सफ़ाई की गई। इस दौरान कलेक्टर एवं उपस्थित जनप्रतिनिधियों के द्वारा स्कूल परिसर में पौधारोपण भी किया गया व उपस्थित जनों को स्वच्छता शपथ भी दिलाई गई।

संबंधित पटवारी कार्यालय में उपस्थित होकर कार्य करें प्रभारी राजस्व निरीक्षक - कलेक्टर

सारंगढ़ बिलाईगढ़। कलेक्टर धर्मेश कुमार साहू ने किसानों, जिले के नागरिकों, स्कूली बच्चों आदि के जरूरी कार्यों को मद्देनजर सभी प्रभारी राजस्व निरीक्षक (आरआई) को निर्देशित किया है कि वे संबंधित पटवारी के कार्यालय में उपस्थित होकर जनता के कार्यों को प्रतिदिन करें। कलेक्टर ने कहा है कि सभी राजस्व निरीक्षक जिले के जनता, नागरिकों को पटवारी संबंधी नकल, नक्शा, पटवारी प्रतिवेदन जैसे कार्य तत्काल उपलब्ध कराएं। उल्लेखनीय है कि किसानों को कृषि के खाद बीज के साथ साथ पीएम किसान सम्मान निधि और अन्य योजनाओं के लिए पटवारी संबंधित कार्य जुड़े होते हैं। इसी प्रकार स्कूली बच्चों के जाति, निवास और आय प्रमाण पत्र के आवेदन के लिए भी पटवारी प्रतिवेदन जरूरी है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अपने खेतों में बीज का छिड़काव कर खेती-किसानी का किया शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय छत्तीसगढ़ राज्य की कमान संभालने के साथ साथ अपने पारिवारिक जिम्मेदारियों को भी बखूबी संभाल रहे हैं। उन्होंने आज अपने गृह ग्राम बगिया में मानसून की आहट को देखते हुए पुश्तैनी खेतों में खेती-किसानी की शुरूआत की। उन्होंने स्वयं एक किसान की तरह धान की बोनी कर परंपरा का निर्वहन किया।

मुख्यमंत्री ने परंपरा के मुताबिक पांच बार बीजों को अपने हाथों में लेकर खेतों में बिखरा दिया, इसके बाद परिवारजनों ने भी उनका अनुसरण किया। खेती-किसानी को लेकर जशपुर, सरगुजा अंचल के किसानों में ऐसी परंपरा है, जिसमें परिवार के लोग मुखिया के साथ धान की बोनी की रस्म निभाते हैं। मुख्यमंत्री खेती-किसानी का पारंपरिक परिधान पहनकर खेतों में नजर

आए। उन्होंने पगड़ी लगाई और पारंपरिक वस्त्र पहना इसके बाद टोकरी में धान बीज रखे और इनकी पूजा की गई। उल्लेखनीय है कि फसल की समृद्धि की कामना के लिए बीज छिड़कने के पूर्व यह रस्म जशपुर-सरगुजा क्षेत्र में की जाती है। छत्तीसगढ़ किसानों का प्रदेश है प्रदेश का हर किसान खेती किसानी की तैयारियों में जुट गया है।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री साय ने प्रदेश में बेहतर खरीफ फसल के लिए बीते दिनों कृषि विभाग के अधिकारियों की समीक्षा बैठक भी की। मुख्यमंत्री किसानों के सरोकार रखते हैं चूकि वे हमेशा खेती-किसानी से जुड़े रहे हैं, इसलिए उन्होंने समय पूर्व ही अधिकारियों को खाद बीज की पर्याप्त व्यवस्था के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को किसानों की जरूरतों के अनुरूप कृषि अदानों की व्यवस्था करने और टेक्नोलॉजी का अधिक प्रयोग करते हुए उत्पादकता बढ़ाने पर जोर दिया था।

राजधानी में देर शाम बरसे बादल, उमर भरी गर्मी से मिली राहत

रायपुर। छत्तीसगढ़ में लगातार मानसून पर लग रहे ब्रेक के बाद आखिरकार मंगलवार शाम जमकर बारिश हुई। मंगलवार को राजधानी रायपुर समेत प्रदेश के कई जिलों में बादल छाए रहे। कई स्थानों पर आंधी-तूफान चला तो कई जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश भी हुई है। वहीं मौसम विभाग ने प्रदेश के कई जिलों में भारी बारिश होने का अनुमान जताया है। बता दें कि सुबह ही मौसम विभाग ने छत्तीसगढ़ के कुछ इलाकों में गरज चमक के साथ बारिश की संभावना जताई थी। राजधानी रायपुर में भी सुबह से बादल छाए हुए थे तथा उमर भरी गर्मी थी। किंतु देर शाम को मौसम ने करवट ली और जोरदार बारिश हुई। मौसम विभाग ने रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर और बस्तर संभाग के जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। आने वाले 24 घंटे में प्रदेश के तापमान में बदलाव देखने को मिलेगा। मौसम विभाग ने भी 10 जिलों के लिए यलो अलर्ट जारी कर दिया है। मौसम विभाग ने रायपुर, बालोद, गरियाबंद, धमतरी, बस्तर, दंतेवाड़ा, सुकमा, कांकेर, कोंडगांव, नारायणपुर और बीजापुर जिले के लिए यलो अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में एक दो स्थानों पर गरज-चमक के साथ बिजली गिरने और मध्यम से भारी बारिश की चेतावनी जारी की है।

जानवरों का सही ढंग से देखभाल करें, पानी, चारा और उपचार की समुचित व्यवस्था होः मंत्री केदार कश्यप

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप ने नवा रायपुर स्थित नंदनवन जू एवं सफारी का दौरा किया। भ्रमण के दौरान उन्होंने नंदनवन जू एवं सफारी से चीतल को अचानकमार टाईगर रिजर्व, लोरमी, बिलासपुर ट्रांसलोकेट किए जाने हेतु रेस्क्यू वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

जंगल सफारी से कुल 150 हिरणों को अचानकमार टाइगर रिज़र्व में छोड़ने की अनुमति मिली है। उसी अनुक्रम में आज पहली बारी कुल 42 चीतल को रवाना किया गया। वन मंत्री श्री कश्यप ने नंदनवन जू एवं सफारी के प्रयासों की सराहना की और अचानकमार में प्रे-बेस बढ़ाने की दिशा में इसे महत्वपूर्ण कदम बताया। मंत्री श्री कश्यप ने चीतलों के स्थानांतरण के संदर्भ में कहा कि वन्यजीवों सुरक्षा एवं आवास और उनके संरक्षण के लिए इस प्रकार की ट्रांसलोकेशन गतिविधियां आवश्यक हैं।

अचानकमार टाईगर रिजर्व अपने समृद्ध जैव विविधता और प्राकृतिक आवास के लिए जाना जाता है। इस टाईगर रिज़र्व में बाघों की संख्या में वृद्धि के लिए प्रे-बेस बढ़ाने की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए यह प्रयास किया जा रहा है।

श्री कश्यप ने वन विभाग के अधिकारियों से कहा कि जंगल सफ़ारी के जानवरों का सही ढंग से देखभाल करें, पानी, चारा और उपचार का समुचित व्यवस्था। उन्होंने पर्यटकों के लिए संचालित भ्रमण व्यवस्थाओं का जायजा लिया और नवाचार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पर्यटकों के लिए सेल्फी पॉइंट बनाया जाय, जिससे पर्यटक, जानवरों के साथ सेल्फी ले सकें। पर्यटकों की सुविधा के लिए भ्रमण गाड़ियों में पानी और अन्य व्यवस्था दुरुस्त करने के भी निर्देश दिए।

इस अवसर पर विधायक इन्द्र कुमार साहू, प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख व्ही. श्रीनिवास राव, प्रधान मुख्य वन संरक्षक सुधीर अग्रवाल, मुख्य वन संरक्षक राजू आगसिमनी, नंदनवन जू एवं सफारी के संचालक सह वनमंडलाधिकारी धम्मशील गणवीर, वनमंडलाधिकारी रायपुर लोकनाथ पटेल, सहायक संचालक वाय. के. डहरिया, अधीक्षक नंदनवन जू, रायपुर अभय पाण्डेय, उप वनमंडलाधिकारी, रायपुर विश्वनाथ मुखर्जी एवं नंदनवन जू और सफारी अंतर्गत कार्यरत समस्त परिक्षेत्र अधिकारी, वन्यप्राणी चिकित्सक एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे।

हमारी सरकार गांव-गरीब सहित माताओं, बहनों के कल्याण के लिए कर रही कामः कृषि मंत्री नेताम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री रामविचार नेताम बलरामपुर-रामानुजगंज प्रवास के दौरान नगर पंचायत रामानुजगंज के लरंगसाय कम्यूनिटी हॉल में आयोजित किसान सम्मेलन में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने भंवरमाल जलाशय योजना के तहत् नहर निर्माण से प्रभावित हुए ग्राम पंचायत भंवरमाल, बुलगांव, धनपुरी के 108 किसानों को भू-अर्जन के अंतर्गत लंबित मुआवजे की राशि 7 करोड़ 14 लाख 31 हजार 907 रूपए का वितरण किया। उन्होंने कार्यक्रम में किसानों को किसान किताब, कृषि किट, रागी व अरहर के मिनीकिट बीज का वितरण भी किया। मंत्री श्री नेताम ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रदेश के 23 लाख से अधिक किसानों

को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत 483 करोड़ रूपए से अधिक की राशि उनके खाता में अंतरण करने पर उन्हें धन्यवाद ज्ञापित किया।

कृषि मंत्री श्री नेताम ने किसान सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि अल्प 06 माह के कार्यकाल में मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश के विकास के लिए हमने बेहतर काम किया है। हमारी सरकार गांव, गरीब, माताओं एवं बहनों के कल्याण के लिए काम कर रही है। हमारा एक ही नारा है कि ''सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास''। इस दौरान उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी के तहत हमारी सरकार ने 18 लाख परिवारों को प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत किया है। साथ ही किसानों से 31 सौ रुपए प्रति क्विंटल की दर से धान की खरीदी की गई है। मोदी की गारंटी के तहत किसानों को बीते 2 साल का बकाया बोनस का राशि भी प्रदान किया गया है। अब मुख्यमंत्री के नेतृत्व में विशेष पिछड़ी जनजातिय समूहों के परिवारों को आवास, घरों तक पक्का सड़क, बिजली, स्कूल तथा उनके गांव में ही बेहतर स्वास्थ्य सुविधा के लिए अस्पताल का निर्माण कराया जा रहा है।

योग दिवस पर मंत्री जायसवाल होंगे बलौदाबाजार के मुख्य अतिथि

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर होने वाले जिला स्तरीय कार्यक्रम की तैयारियां आज से प्रारंभ कर दी गई है। इस सिलसिले में बलौदाबाजार-भाटापारा कलेक्टर श्री दीपक सोनी ने सम्बंधित जिला अधिकारियों के साथ बैठक कर तैयारी को शत प्रतिशत सुनिश्चित करनें के निर्देश दिए है। सोनी ने बताया की पूर्व की तरह ही नवीन मंडी परिसर में मुख्य कार्यक्रम का आयोजन होगा। जिसमे जिले के प्रभारी प्रभारी एवं कैबिनेट मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। उन्होंने कहा स्कूली बच्चे निर्धारित स्थल में पहुँचे यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी जिला शिक्षा अधिकारी की है। मौके पर पेयजल, मेडिकल, जनरेटर, विद्युत, पार्किंग, गद्दा, टाट पट्टी जैसे व्यवस्था को सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए है। इसके लिए विभागवार जिम्मेदारी तय कर दी है। जिसमे मुख्य रूप से मंच एवं साउंड सिस्टम लोक निर्माण विभाग, पेयजल एवं साफ सफाई नगर पालिका बलौदाबाजार, शिक्षा एवं समाज कल्याण विभाग समन्वय कर एवं मंच संचालन शिक्षा विभाग शामिल है।

मॉडल श्रम अन्न केन्द्रः श्रमिकों को किफायती दर पर मिलेगा भोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सरकार श्रमिकों के लिए नये-नये फैसलें ले रही हैं। कामकाजी श्रमिकों की दिक्कत को महसूस करते हुए उन्हें उनके कार्य स्थल के पास किफायती दर पर भोजन उपलब्ध कराने के लिए मॉडल श्रम अन्न केन्द्र प्रारंभ करने के निर्देश दिए हैं। यह केन्द्र रायपुर, कोरबा और कुनकुरी में खुलेंगे।

श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन ने कहा कि मॉडल श्रम अन्न केन्द्र रायपुर के तेलीबांधा, कोरबा के नगर निगम बुधवारी टंकी और कुनकुरी में स्थापित किए जाएंगे। वर्तमान में 9 जिलों में 24 जगहों पर श्रम अन्न केंद्र संचालित हो रहे हैं। योजना का विस्तार करते हुए 13 जिलों के 27 स्थानों पर नवीन श्रम अन्न केंद्र शुरु

किए जाएंगे। बैठक नवा रायपुर स्थित मंडल कार्यालय में श्रमायुक्त एवं सह-सचिव श्रीमती अलरमेल मंगई डी, छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार मण्डल की सचिव श्रीमती सविता मिश्रा, अपर श्रमायुक्त एस.एल. जांगडे सहित श्रम विभाग के अधिकारी उपस्थित थे। श्रम मंत्री श्री देवांगन ने श्रम विभाग के मण्डलों में असंगठित एवं निर्माण श्रमिकों के पंजीयन, योजनाओं के आवेदनों के निराकरण में श्रमिकों अभिलेखों का सुस्पष्ट मिलान कर शत् प्रतिशत पात्र श्रमिकों को लाभ प्रदाय करना सुनिश्चित करें। साथ ही ऐसे श्रमिक जिनके अभिलेख में कमी, त्रुटि पाई जाती है उन श्रमिकों से अभिलेख पूर्ण कराकर पंजीयन, योजना का लाभ दिलाना सुनिश्चित करें। खैरागढ़ जिले के अंतर्गत निर्माण, असंगठित श्रमिकों के पंजीयन, योजना आवेदनों में स्वघोषणा प्रमाण पत्र को अमान्य कर जिले द्वारा निरस्त किये गये आवेदनों को पुनः जांच करने के निर्देश दिये गये।

बैठक में अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश में कुल 6,386 कारखानें हैं, जिसमें 922 जोखिम श्रेणी के कारखानें के रूप में चिन्हित किए गए हैं। मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिकों के बच्चों के लिए प्रदेश में निःशुल्क कोचिंग सहायता योजना संचालित की जा रही है। जिसके अंतर्गत अब तक कुल 1534 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इनमें से 927 आवेदन प्रक्रियाधीन है। भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मण्डल के अंतर्गत प्रदेश में कैलेण्डर वर्ष जनवरी 2024 से मई 2024 तक 2 लाख 47 हजार 742 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 25,700 आवेदनों का निराकरण किया गया। बैठक के दौरान श्रम मंत्री ने महतारी जतन योजना, नोनी-बाबू छात्रवृत्ति योजना की समीक्षा करते हुए कहा कि सभी पात्र श्रमिक परिवारों के बच्चों को इसका लाभ दिलाया जाना सुनिश्चित करें।

श्रम मंत्री ने निर्माण श्रमिकों के बच्चों को निजी स्कूलों में निःशुल्क शिक्षा देने हेतु स्कूलों एवं बच्चों के चयन प्रक्रिया प्रारंभ करने के निर्देश दिए। उन्होंने बैठक में अत्यधिक जोखिम श्रेणी के कारखानों के निरीक्षण प्रत्येक वर्ष 02 से 03 बार किये जाने तथा निरीक्षण के दौरान स्वीकृत नक्शों के अनुरूप कारखाना निर्मित नहीं होने एवं कारखानों में दिए जा रहे प्रशिक्षण की जांच करने संबंधी निर्देश अधिकारियों को दिये।

बैठक में बताया गया कि कर्मचारी राज्य बीमा सेवांए अंतर्गत संचालित समस्त 42 औषधालयों में दवाईयों की पूर्ति की पर्याप्तता सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गये, दवाईयों के अभाव में श्रमिकों को असुविधा न हो। छत्तीसगढ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल द्वारा भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण उपकर अधिनियम 1996 के तहत् प्रदेश में होने वाले निर्माण कार्यों पर शत् प्रतिशत उपकर की राशि वसूली करने के निर्देश दिये गये।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Premier sales
8959493000
A Leela Electronics
9425507772
Reena Electronics
9329132299
Shree Electronics
7000827361
CONTACT
Maa Durga Electronics
9827183839
Rohit Electronics
94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

वार्डों में पानी नहीं आ रहा, भाजपा पार्षदों ने बजाया नंगाड़ा

रायपुर (ए.)। विरोध के अपने कई प्रतीकात्मक तरीके होते हैं ऐसा ही एक नुस्खा अपनाया भाजपा पार्षदों ने शहर के कई वार्डो में इन दिनों भीषण जल संकट है और निगम की कार्यप्रणाली को देखकर लग रहा है कि वे जैसे मानसून का इंतजार कर रहे हैं। नगर निगम मुख्यालय में महापौर कक्ष के सामने बैठकर आज भाजपा पार्षदों ने नगाड़ा बजाकर जमकर नारेबाजी की। कुछ पार्षद थाली व मंजीरा भी बजाते नजर आए। रायपुर शहर में जल संकट को लेकर भाजपा पार्षद दल ने मंगलवार को महापौर एजाज ढेबर के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। बड़ी संख्या में भाजपा पार्षद महापौर कक्ष के बाहर नंगाड़ा बजाकर प्रदर्शन कर रहे थे। नेता प्रतिपक्ष मीनल चौबे ने कहा कि महापौर को कुंभकर्णीय नींद से जगाने के लिए यह करना पड़ रहा है। भाजपा पार्षद दल के प्रवक्ता मृत्युंजय दुबे,मनोज वर्मा,सरिता आकाश दुबे, अमर बंसल, दीपक जायसवाल, मधु चंद्रवंशी व अन्य पार्षद धरने में बैठे थे। पार्षद ये भी बता रहे थे कि जल संकट कितना गंभीर है इसका अंदाजा शायद महापौर को नहीं है,जब खुद उनकी ही पार्टी के पार्षद धरना दे चुके हैं। फिर भी जनता की परवाह नहीं हैं। जनता सबक सिखायेगी।

कुनबी समाज का महापंचायत संपन्न

रायपुर (ए.)। रायपुर के वृंदावन हॉल में 16 जून को कुनबी समाज का महापंचायत संपन्न हुआ। कार्यक्रम का प्रारंभ दीप प्रज्वलन से हुआ उसके पश्चात गार्गी (रागिनी) गेडेकर द्वारा छत्तीसगढ़ी राज्य गीत प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर मुख्यतिथि रायपुर ग्रामीण के विधायक मोतीलाल साहू ने समाज को संबोधित करते हुए कहा कि अच्छी शिक्षा, संस्कार, रोजगार व आपसी सहयोग से ही समाज का विकास का संभव है। इसकी शुरुआत कुछ कर्मठ लोगों से होती है, जनजागृति से समाज को सही दिशा मिलती है एवं धीरे-धीरे लोग इससे जुड़ते चले जाते हैं इसके परिणाम से एक विकासशील समाज की रचना होती है। जनसेवक होने के नाते मेरा कर्तव्य है कि मैं सामाजिक संगठन को मजबूत करूं। कुनबी समाज के प्रदेश अध्यक्ष रंजीत मुनेश्वर ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में समाज के लोगों से कहा कि बदलते समय को ध्यान में रखते हुए सामाजिक बुराइयों और कुरीतियों से दूर रहते हुए समाज और राष्ट्र के विकास में अपनी भूमिका निभाए।

शासन की योजनाओं से दिव्यांगजनों को मिल रहा लाभ

प्रदेश सरकार की योजनाओं से बढ़ रहे हैं हौसलें, बन रहे आत्मनिर्भर

रायपुर (ए.)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश के दिव्यांगजनों की राह और आसान हो रही है। छत्तीसगढ़ सरकार की योजनाओं से दिव्यांगजनों की कौशल क्षमता में वृद्धि हुई है और वे आत्मनिर्भर बन रहे हैं। अपने इरादे मजबूत करके हर क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ रहें है। जो दिव्यांग अपनी दिव्यांगता को कमजोरी ना मानकर आगे बढ़ने का प्रयास करते हैं उनको कामयाबी जरूर मिलती है। छत्तीसगढ़ सरकार की योजनाओं से दिव्यांगजनों के सपने हो रहे हैं पूरे।

सूरजपुर जिला प्रशासन द्वारा दिव्यांगजनों को आगे बढ़ाने के लिए सार्थक प्रयास किया जा रहा है। यहां के ग्राम पलमा के 10वीं में अध्ययनरत दृष्टि बाधित दिव्यांग बलजीत देवांगन ने मोबाइल के लिए, ग्राम-खरसुरा के इन्दर प्रसाद और ग्राम-जगतपुर नितेश शर्मा जो कक्षा पहली में अध्ययनरत है इन्होंने भी श्रवण यंत्र के लिए समाज कल्याण विभाग में आवेदन किया था। कलेक्टर

रोहित व्यास ने उनके द्वारा मांगे गये उपकरण उपलब्ध करा दिए हैं। मोबाईल एवं श्रवण यंत्र मिलने पर खुशी जाहिर करते हुए मुख्यमंत्री का धन्यवाद किया।

समाज कल्याण विभाग के अंतर्गत दिव्यांगजनों के लिए अनेक कल्याणकारी योजना संचालित की जा रही है। सामाजिक सुरक्षा पेंशन, निराश्रित पेंशन एवं दिव्यांग पेंशन, नि:शक्तजन छात्रवृत्ति योजना, राष्ट्रीय वृद्धा पेंशन, श्रवण यंत्र, कृत्रिम उपकरण, दिव्यांग सुखद सहारा योजना, नि:शक्तत विवाह प्रोत्साहन योजना आदि योजनाओं का लाभ दिव्यांगजन उठा रहे हैं।

नि:शक्त विवाह प्रोत्साहन सहायता योजना के तहत दिव्यांगजनों को पूरे जीवनकाल में एक बार ही दी जाती है। नि:शक्त विवाह प्रोत्साहन योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए 40 प्रतिशत नि:शक्तता होना आवश्यक है। दंपत्ति पति/पत्नी में से कोई एक नि:शक्त है वहीं आवेदन कर सकते हैं। दोनों नि:शक्त होने की स्थिति में संयुक्त रूप से आवेदन करना होगा। विवाह प्रोत्साहन योजना के तहत पति पत्नि में से कोई एक दिव्यांग है तो 50 हजार की राशि दी जाती है और यदि दोनों दिव्यांग है तो 1 लाख रुपए की सहायता राशि दी जाती है।

मछलियों की सुरक्षा करने, लाभदायक छिड़काव अभियान प्रारंभ करने निर्देश

रायपुर (ए.)। नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त एवं रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड के एमडी अबिनाश मिश्रा ने राजधानी शहर के तेलीबांधा तालाब मरीन ड्राइव में मछलियों के मरने से संबंधित प्राप्त जानकारियों को तत्काल संज्ञान में लेकर स्थल निरीक्षण कर वहां अधिकारियों एवं संबंधित एजेंसी के प्रतिनिधियों को विषय विशेषज्ञ सहित बुलवाया एवं तालाब में मछलियों के जीवन की सुरक्षा हेतु तत्काल हर संभव आवष्यक कदम सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ समाज हित में पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से उठाया जाना सुनिश्चित करने के निर्देश दिये।

आयुक्त अबिनाश मिश्रा ने तेलीबांधा तालाब पहुंचकर स्थल निरीक्षण किया, तालाब में प्रतिदिन मछलियों के मरने की जानकारी को गंभीरता से लेते हुए स्थल पर अधिकारियों को एवं तालाब में ट्रीटमेंट कार्य कर रही एजेंसी के प्रतिनिधियों को बुलवाया एवं प्रतिदिन बडी संख्या में तालाब में मछलियों के मरने एवं फैल रही बदबू को लेकर अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए जल की रानी मछलियों के जीवन की सुरक्षा हेतु तत्काल आवश्यक उपाय वैज्ञानिक तरीके से सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ उठाने के निर्देष दिये। आयुक्त ने स्मार्ट

सिटी लिमिटेड के सीओओ उज्जवल पोरवाल, अधीक्षण अभियंता पंकज कुमार पंचायती, निगम अधीक्षण अभियंता राजेश शर्मा, जोन 3 जोन कमिश्नर प्रिती सिंह, कार्यपालन अभियंता अंशुल शर्मा, जोन 3 जोन स्वास्थ्य अधिकारी उमेश नामदेव, सहायक अभियंता अनुराग पाटकर, उपअभियंता नरेश साहू एवं संबंधित अधिकारियों की उपस्थिति में मछलियों के बडी संख्या में मरने के कारण की जानकारी ली।

विषय विशेषज्ञ आलोक महावर ने आयुक्त अबिनाश मिश्रा को बताया कि गर्मी के मौसम में तालाब का गंदा जल तेजी से सड़ने लगता है। इस अपघटन प्रक्रिया से जल निकाय में आक्सीजन की कमी हो जाती है। इसके अलावा तापमान में वृद्धि से जल में घुलित आक्सीजन के स्तर में कमी आती है। जब पानी में वियोजित आक्सीजन की मात्रा कम हो जाती है तो पानी में मछलियां मर जाती है। उन्होने मछलियों की सुरक्षा की दृष्टि से तत्काल नैनो स्केल फाईको न्यूट्रींट्स का छिड़काव व्यापक स्तर पर करवाने की आवष्यकता पर बल दिया एवं इस ट्रीटमेंट को मछलियों के लिए सुरक्षित व लाभदायक बताया । इससे पानी में घुलनशील आक्सीजन की मात्रा बढ़ने के साथ यह ट्रीटमेंट पानी की अशुद्धियों को दूर करता है।

आयुक्त अबिनाश मिश्रा ने अधिकारियों को तेलीबांधा तालाब मरीन ड्राईव में मछलियों के जीवन की सुरक्षा हेतु तत्काल नैनो स्केल फाईको न्यूट्रींट्स का छिड़काव व्यापक पैमाने पर सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ प्रारंभ करवाने के निर्देश दिये है। आयुक्त ने एजेंसी को तालाब के पानी में तापमान की जानकारी तालाब की सतह पर तालाब के मध्य भाग में एवं तालाब के तल पर तत्काल लेने की कार्यवाही करने कहा है। आयुक्त ने अधिकारियों को तेलीबांधा तालाब मरीन ड्राईव में आने वाले नागरिको को स्वस्थ वातावरण देने तत्काल दो फाउंटेन प्रारंभ करने निर्देशित किया है। आयुक्त के निरीक्षण के दौरान जोन 3 स्वास्थ्य विभाग की टीम ने सफाई मित्रों की सहायता से अभियान चलाकर तालाब के किनारो को साफ कर पानी से मरी हुई मछलियों को निकालकर उनका विनिष्टिकरण करने की कार्यवाही की। आयुक्त ने तेलीबांधा तालाब एवं अन्य सभी तालाबो में गर्मी के दौरान पानी में घुलनशील आक्सीजन की मात्रा अच्छी बनाकर रखने का कार्य समाज हित में पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ किया जाना सुनिश्चित करने के निर्देश दिये है।

मरम्मत का कार्य के लिए विधायक निधि से 5 लाख रुपये की घोषणा

रायपुर (ए.)। रायपुर उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा ने नगर पालिक निगम रायपुर के जोन क्रमांक 9 के अंतर्गत नेताजी सुभाषचन्द्र बोस वार्ड नम्बर 31 में न्यू सेल्स टैक्स कॉलोनी में वार्ड पार्षद रोहित साहू सहित नगर निगम जोन 9 कार्यपालन अभियंता संजय वर्मा, वहां के रहवासी गणमान्य जनों, सामाजिक कार्यकर्त्ताओं, नवयुवकों की उपस्थिति में न्यू सेल्स टैक्स कॉलोनी में जनहित में जनसुविधा की दृष्टि से नई सीसी रोड का निर्माण एवं व्यवहारिक आवश्यकता के अनुसार नालियों की मरम्मत का कार्य नगर निगम के सामान्य मद से श्रीफल फोड़कर एवं कुदाल चलाकर भूमिपूजन करके प्रारम्भ करवाया।

रायपुर उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा ने वहाँ अधूरे पड़े सामुदायिक भवन में कार्य आवश्यकता के अनुरूप प्रारम्भ करवाने विधायक निधि से 5 लाख रुपये स्वीकृत करने की घोषणा की। रायपुर उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा ने नई सीसी रोड का निर्माण एवं नालियों की मरम्मत का आवश्यक कार्य तत्काल स्वीकृति के अनुसार प्रारम्भ करवाकर तय समयसीमा के भीतर सतत मॉनिटरिंग करते हुए गुणवत्ता युक्त तरीके से जनहित में प्राथमिकता से पूर्ण करवाना सुनिश्चित करने निर्देशित किया। वार्ड पार्षद रोहित साहू ने रायपुर उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा को वार्ड नम्बर 31 के तहत न्यू सेल्स टैक्स कॉलोनी में नई सीसी रोड का निर्माण एवं नालियों की मरम्मत का आवश्यक कार्य प्रारम्भ करवाने सभी वार्डवासियों की ओर से हार्दिक धन्यवाद दिया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन साइंस कॉलेज मैदान में 21 जून को

सचिव भुवनेश यादव एवं कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने आयोजन के तैयारियों की समीक्षा कर जायजा लिया

रायपुर (ए.)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों का समाज कल्याण विभाग के सचिव भुवनेश यादव एवं कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने साइंस कॉलेज मैदान का जायजा लेने देर शाम को पहुंचे। इस अवसर पर संचालक रोक्तिमा यादव व जिला पंचायत सीईओ विश्वदीप भी उपस्थित थे। इस दौरान आवश्यक निर्देश दिए गए। इस आयोजन में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय मुख्य अतिथि रहेंगे।

रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में 21 जून को सुबह 7 बजे अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर जन प्रतिनिधि, अधिकारी व अन्य सभी वर्ग के

नागरिकों को आंमत्रित किया गया है। जिला स्तरीय आयोजन में जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों, वरिष्ठ नागरिकों को विशेष आंमत्रित किया गया है। साथ ही अन्य संस्थानों से नागरिकों को आंमत्रित है। जिले के प्रत्येक ग्राम पंचायतों, नगरीय निकायों के प्रमुख स्थल सार्वजनिक महत्व के स्थल, अमृत सरोवर आदि उपयुक्त स्थलों पर अधिक से अधिक भागीदारी के साथ सामूहिक योग अभ्यास का आयोजन करने के निर्देश दिए गए है। मौके पर पेयजल, मेडिकल, जनरेटर, विद्युत, पार्किंग, गद्दा, टाट पट्टी जैसे व्यवस्था को सुनिश्चित करने के निर्देश सम्बंधित अधिकारियों को दिए है। इसके लिए विभागवार जिम्मेदारी तय कर दी है। जिसमें मुख्य रूप से मंच एवं साउंड सिस्टम लोक निर्माण विभाग, पेयजल एवं साफ -सफाई शामिल है।

नगरीय प्रशासन विभाग के कार्यों की समीक्षा, नगरीय निकायों में परिसीमन का काम 18 जुलाई तक पूर्ण करने कहा

निकायों का बनेगा डेवलपमेंट प्लान, उप मुख्यमंत्री ने दिए निर्देश

रायपुर (ए.)। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव ने मंत्रालय में विभागीय कामकाज की समीक्षा की। उन्होंने विभिन्न विभागीय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने आगामी बारिश के मौसम को देखते हुए सभी नगरीय निकायों में नालों-नालियों की सफाई बरसात के पहले सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने जिला मुख्यालयों से संभागीय मुख्यालय आने-जाने के लिए सुलभ पब्लिक ट्रांसपोर्ट की कार्ययोजना तैयार करने के भी निर्देश दिए।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने नगरीय प्रशासन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर सूडा और विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की और आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने नगरीय निकायों के कार्यों में कसावट लाने को कहा। उन्होंने काम में ढिलाई और लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों की जिम्मेदारी तय कर कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विभाग के कार्यों का फील्ड में परिणाम दिखना चाहिए। नागरिकों को ज्यादा से ज्यादा सुविधाएं मुहैया कराने में नगरीय निकायों की गंभीरता और सक्रियता दिखनी

चाहिए। उन्होंने कड़े शब्दों में कहा कि लोकसभा आम निर्वाचन के लिए लागू आदर्श आचार संहिता के कारण कार्यों में जो सुस्ती और धीमापन आ गया था, उसे तत्काल खत्म कर कार्यों में तेजी लाएं। जहां काम बंद हैं या अप्रारंभ हैं, वहां तुरंत काम शुरू कराएं।

श्री साव ने समीक्षा बैठक में सभी नगरीय निकायों के सुव्यवस्थित और योजनाबद्ध विकास के लिए सिटी डेवलपमेंट प्लान तैयार करने को कहा। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को सभी निकायों में डेवलपमेंट प्लान के अनुसार ही विकास और जन सुविधाएं विकसित करने के कार्य स्वीकृत करने के निर्देश दिए। उन्होंने शहरी क्षेत्रों में प्रधानमंत्री आवास योजना के साथ ही अफोर्डेबल हाउसिंग की विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने इन योजनाओं के काम पूर्ण गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में पूर्ण करने को कहा। उन्होंने हाउसिंग परियोजनाओं में जिओ-टेगिंग का ऑडिट कराने भी कहा।

श्री साव ने बैठक में नगरीय प्रशासन विभाग की योजनाओं की भौतिक और वित्तीय प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने नगरीय निकायों को उपलब्ध कराए जा रहे 15वें वित्त आयोग की राशि का सदुपयोग सुनिश्चित करने पुख्ता सिस्टम बनाने को कहा। श्री साव ने प्रदेश भर के नगरीय निकायों में कार्यरत अभियंताओं की कुशलता और दक्षता बढ़ाने कार्यशाला आयोजित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने नगरीय निकायों में आम निर्वाचन के लिए वार्डों के परिसीमन का काम 18 जुलाई तक पूर्ण करने को कहा जिससे कि आरक्षण प्रक्रिया और मतदाता सूची तैयार करने का काम समय पर प्रारंभ किया जा सके। उन्होंने मुख्यमंत्री स्लम स्वास्थ्य योजना, श्री धन्वंतरी जेनेरिक मेडिकल स्टोर्स, अमृत मिशन, गौरव पथ निर्माण और संपत्ति कर संग्रहण की समीक्षा की। बैठक में नगर पंचायतों के नगर पालिकाओं में और नगर पालिकाओं के नगर निगमों में उन्नयन पर भी चर्चा हुई। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के सचिव डॉ. बसवराजु एस, संचालक कुंदन कुमार, सूडा के सीईओ शशांक पाण्डेय, अपर संचालक पुलक भट्टाचार्य और संयुक्त संचालक एसके सुंदरानी भी समीक्षा बैठक में मौजूद थे।

नगर निगम ने कचरा फंसने से जाम नाले की करवाई सफाई

रायपुर (ए.)। रात्रि तेज बारिश होने के दौरान राजधानी शहर में काली माता मन्दिर के सामने मार्ग में पानी भरने की शिकायत प्राप्त होते ही नगर निगम रायपुर के आयुक्त अबिनाश मिश्रा के निर्देशानुसार तत्काल नगर निगम जोन 4 स्वास्थ्य विभाग की टीम के सफाई मित्र कर्मचारियों को लेकर जोन 4 जोन कमिश्नर राकेश शर्मा कार्यपालन अभियंता पद्माकर श्रीवास, सहायक अभियंता दीपक देवांगन, जोन स्वास्थ्य अधिकारी वीरेन्द्र देवांगन के साथ वहाँ पहुंचे एवं सफाई मित्र की सहायता से नाली की जाली में फंसे हुए कचरे को हटवाया एवं नाली का चेम्बर साफ करवाकर निकास व्यवस्था को दुरुस्त किया, जिससे तत्काल ही सड़क पर भर रहा पानी नाली के जरिये निकल गया एवं निकास सुगम हो गया।

इस प्रकार प्राप्त जनशिकायत का जोन के माध्यम से तत्काल त्वरित निदान किया गया। आयुक्त के निर्देश पर रात्रिकालीन सफाई व्यवस्था की मॉनिटरिंग सभी जोनों की टीमों ने जोन के वार्ड के विभिन्न स्थानों में जाकर की एवं यह सुनिश्चित करवाया कि शहर में बारिश के दौरान कहीं पर जल के भराव की समस्या हो तो उसका सफाई टीम की सहायता से त्वरित सफाई करवाकर निदान कर नागरिकों को राहत दिलवाई जा सके. आयुक्त ने मानसून के दौरान सफाई एवं निकासी को लेकर सभी जोनों के समस्त वार्डों में विशेष सतर्कता बनाये रखकर सफाई सम्बंधित प्राप्त सभी जनशिकायतों का त्वरित निदान करवाना सुनिश्चित करने के निर्देश सभी जोन कमिश्नरों, कार्यपालन अभियंताओं, जोन स्वास्थ्य अधिकारियों को दिये है।

नवाजुद्दीन की बेटी का एक्टर बनना है नेपोटिज्म एक्टर बोले- उसने हाथ जोड़कर मांगा...

बेटी को एक्टिंग सिखाएंगे नवाजुद्दीन सिद्दीकी?

एक्टिंग के मामले में खुद एक स्कूल कहे जाने वाले नवाजुद्दीन, क्या अपनी बेटी को खुद ट्रेनिंग देंगे? इसका जवाब देते हुए उन्होंने बताया, 'मेरे से सीखने का उसका कोई इंटरेस्ट नहीं है। कहते हैं न घर की मुर्गी दाल बराबर, वैसा है। वो वर्ल्ड सिनेमा देखती है, अभी 14 साल की है। नवाज ने बताया कि उनकी बेटी ने उन्हें एकाध पीस एक्ट करके दिखाया तो उन्होंने पूछ लिया कि वो कैसे कर लेती हैं ये सब? तो शोरा ने बताया कि उन्होंने खूब फिल्में देखकर इनके लिए तैयारी की है।'

बॉलीवुड में एक्टर्स के बच्चों के डेब्यू करने की बात से ही, नेपोटिज्म की बहस शुरू हो जाती है। क्या ऐसे में, बाहर से आकर कड़े संघर्ष के बाद नाम बनाने वाले नवाजुद्दीन को, ये डर नहीं है कि उनकी बेटी को भी नेपोटिज्म के चश्मे से देखा जाएगा। नवाब ने अब इस बात का जवाब दिया है। देश के सबसे टैलेंटेड एक्टर्स में गिने जाने वाले नवाजुद्दीन सिद्दीकी अक्सर इंस्टाग्राम पर अपनी बेटी के क्यूट वीडियोज शेयर करते रहते हैं। नवाज ने हाल ही में बताया है कि उनकी बेटी, शोरा को एक्टिंग में बहुत इंटरेस्ट है और वो इसके लिए ट्रेनिंग भी ले रही हैं।

बॉलीवुड में एक्टर्स के बच्चों के डेब्यू करने की बात से ही, नेपोटिज्म की बहस शुरू हो जाती है। क्या ऐसे में, बाहर से आकर कड़े संघर्ष के बाद नाम बनाने वाले नवाजुद्दीन को, ये डर नहीं है कि उनकी बेटी को भी नेपोटिज्म के चश्मे से देखा जाएगा? एक नए इंटरव्यू में नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने इस बात का जवाब दिया है।

नवाज ने आगे कहा कि उन्हें पता भी नहीं चला कि शोरा ने कब एक्टिंग में दिलचस्पी लेनी शुरू की और कब वो परफॉर्मिंग आर्ट में ट्रेनिंग लेने लगीं। उन्होंने बताया, 'अभी वो एक समर वर्कशॉप कर रही है। वो खुद सर्च करके जाती है और अपनी मां को या मुझे कहती है कि मुझे एडमिशन लेना है, आप फीस जमा कर दो।'

नवाज को बिना पता चले शोरा ने शुरू की एक्टिंग ट्रेनिंग

फिल्म कम्पेनियन के साथ बात करते हुए नवाजुद्दीन ने बताया, 'मेरी बेटी जो है न अभी ट्रेनिंग ले रही है। उसने खुद जाकर एडमिशन लिया है परफॉर्मिंग आर्ट फैकल्टी में, टीचर के आगे हाथ जोड़कर कि 'टीचर मैं एक्टिंग सीखना चाहती हूं।' उस डिपार्टमेंट में, उस स्कूल में वो लास्ट ईयर में एक प्ले करेंगे। उस प्ले की कॉस्टयूम उन्हें खुद सिलनी पड़ेगी, कारपेंटर का काम खुद करना पड़ेगा, जितने प्रॉप्स यूज होंगे वो खुद तैयार करेंगे, लाइटिंग खुद करनी पड़ेगी, सारे काम खुद करने पड़ेंगे और लास्ट में उसका जो शो होगा उसके टिकट लगेंगे। तो इस तरह का शो होगा। इस तरह की ट्रेनिंग वो ले रही है, खुद ही कर रही है। अब जब मुझे दिख रहा है कि उसे खुद को इतना इंटरेस्ट है, तो हर मां-बाप की इच्छा होती है कि भई जिसमें इंटरेस्ट है वो कर लो तुम।

अलका याज्ञनिक को वायरल के बाद हुई रेयर समस्या, बोलीं- मेरे लिए दुआ करें

सिंगर अलका याज्ञनिक की डॉक्टरी चांज में एक रेयर कंडीशन का पता लगा है। उन्हें अचानक सुनाई देना बंद हो गया है। अब उन्होंने एक पोस्ट में अपने करीबियों और फैन्स को बताया है कि क्या और कैसे हुआ। उन्होंने सभी से रिक्वेस्ट की है कि उन्हें दुआ में रखें। साथ ही लोगों को सावधान किया है कि हेडफोन ज्यादा यूज ना करें।

वायरल के बाद हुई दिक्कत

अलका ने लिखा है, मेरे सभी फैन्स, दोस्त, फॉलोअर्स और वेल विशर्स। कुछ हफ्ते पहले मैं फ्लाइट से आ रही थी, तभी मुझे पता चला कि कुछ सुनाई नहीं दे रहा। कुछ हफ्ते तक हिम्मत जुटाने के बाद मैं उन फ्रेंड्स और वेल विशर्स के सामने अपनी चुप्पी तोड़ना चाहती हूं, जो पूछ रहे थे कि कहां गायब हूं। मेरे डॉक्टर्स ने एक रेयर सेंसरी न्यूरल नर्व हियरिंग लॉस डायग्नोस किया है। यह वायरल अटैक के बाद हुआ है। मैं इसको स्वीकार करने की कोशिश कर रही हूं, प्लीज मुझे दुआओं में रखें।

मुसीबत की घड़ी में साथ दें

अलका ने लोगों से तेज संगीत से सावधान रहने की दरख्वास्त की है। वह लिखती हैं, मेरे फैन्स और युवा साथी, मैं बहुत तेज संगीत और हेडफोन्स के लिए सावधान करना चाहती हूं। मैं अपने प्रोफेशन से जुड़े खतरे बताना चाहती हूं। आप सभी के प्यार और सपोर्ट से मैं जल्द ही अपनी जिंदगी में कुछ बदलाव करके वापस आऊंगी। इस मुसीबत की घड़ी में आपका सहयोग और समझ बहुत मायने रखेगी।

जल्द मिलेंगे सोनू निगम

अलका के पोस्ट पर सोनू निगम, इला अरुण सहित कई लोगों के कमेंट्स दिख रहे हैं। सोनू निगम ने लिखा है, मुझे पता था कि कुछ ठीक नहीं है...वापस आकर मिलता हूं...ईश्वर करे आप जल्दी ठीक हों।

अक्षय की सरफिरा का ट्रेलर रिलीज, अभिनेता के जुझारू अंदाज ने जीत लिया दिल

बॉलीवुड के खिलाड़ी कुमार यानी अक्षय कुमार इस साल भी अपनी कई फिल्मों से सबका मनोरंजन करने की तैयारी में हैं। आखिरी बार बड़े मियां छोटे मियां में टाइगर श्रॉफ के साथ दिखे अक्षय अब अपनी दूसरी फिल्म सरफिरा की रिलीज की तैयारियों में जुट गए हैं। जिस दिन से फिल्म का ऐलान हुआ था उसी दिन से दर्शकों को इसके ट्रेलर का इंतजार था। यह इंतजार खत्म हो गया है क्योंकि ट्रेलर ने यूट्यूब पर दस्तक दे दी है।

सामने आए सरफिरा के ट्रेलर में अक्षय को एक ऐसे व्यक्ति का किरदार निभाते देखा जा रहा है, जो आम लोगों के लिए कम दामों में हवाई यात्रा करना संभव करना चाहता है। वह ऐसा करने के लिए अपनी एयरलाइन शुरू चाहता है।इस संकल्प को पूरा करने के लिए अक्षय को राजनेताओं के ऑफिस में चक्कर काटने से लेकर कई तरह की मुश्किलों का सामना करते दिखाया गया है।अक्षय इस जुझारू किरदार में काफी प्रभावित कर रहे हैं।

अक्षय और राधिका मदान अभिनती सरफिरा दक्षिण भारतीय अभिनेता सूर्या की सुपरहिट फिल्म सोरारई पोटरू की आधिकारिक हिंदी रीमेक है। फिल्म के निर्देशन की कमान राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता सुधा कोंगारा कर रहे हैं। सुधा ने ही सोरारई पोटरू का निर्देशन किया था और उन्हें इसके लिए राष्ट्रीय पुरस्कार से नवाजा गया था। सरफिरा में राधिका और अक्षय के अलावा परेश रावल और सीमा बिस्वास भी अहम भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म 12 जुलाई, 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

बॉक्स ऑफिस पर जहां अक्षय की बड़े मियां छोटे मियां का मुकाबला अजय देवगन की मैदान से देखने को मिला था, वहीं सरफिरा, साउथ सुपरस्टार कमल हासन की फिल्म इंडियन 2 से टकराएगी। इंडियन 2 का हिंदी संस्करण हिंदुस्तानी 2 के नाम से रिलीज किया जाएगा। इंडियन 2 के साथ ही जॉन अब्राहम और शरवरी वाघ की फिल्म वेदा भी 12 जुलाई को सिनेमाघरों का रुख करेगी। ऐसे में अक्षय की सरफिरा टिकट खिड़की पर दो फिल्मों से टकराएगी।

अक्षय की आगामी फिल्मों की बात करें तो वह रोहित शेट्टी की बहुप्रतीक्षित फिल्म सिंघम अगेन में अजय, रणवीर सिंह, दीपिका पादुकोण और करीना कपूर खान जैसे कलाकारों के साथ अहम भूमिका निभाते दिखेंगे। इसके साथ ही उनके पास अरशद वारसी के साथ फिल्म जॉली एलएलबी 3 भी है। उनके पास साजिद नाडियाडवाला निर्मित फिल्म वेलकम टू द जंगल भी है। यह फिल्म पहले 20 दिसंबर को दस्तक देने वाली थी। हालांकि, अब इसकी रिलीज को टाल दिया गया है।

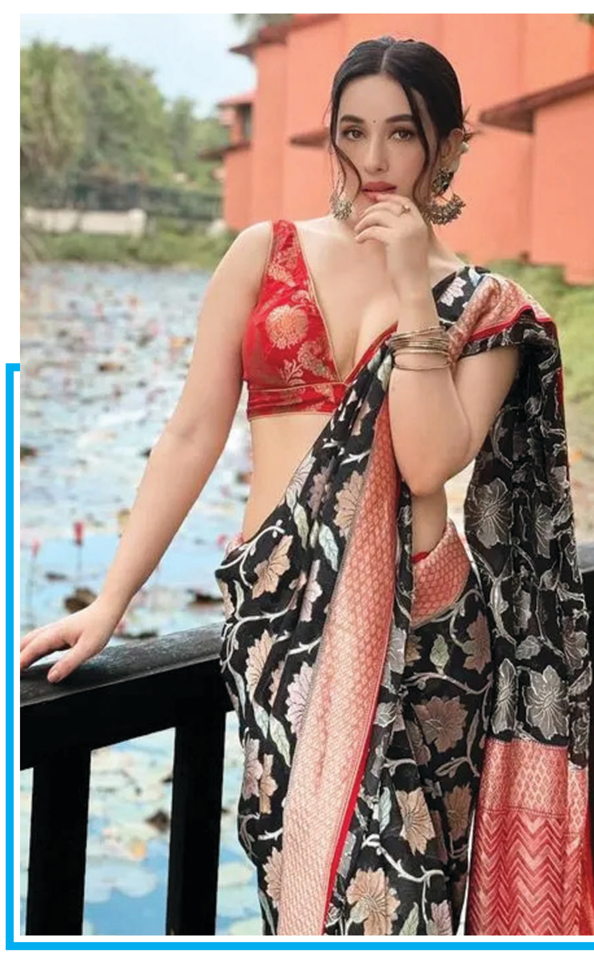

साड़ी पहन नेपाल की इस हसीना ने दिखाईं कातिलाना अदाएं

नेपाल की मशहूर अदाकारा अदिति बुधाथोकी आए दिन अपनी ग्लैमरस तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर शेयर करती हैं तो लोग अक्सर उनके लुक की तारीफ करते नहीं थकते हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनकी कातिलाना अदाएं देखकर फैंस मंत्रमुग्ध हो गए हैं।

नेपाली एक्ट्रेस अदिति बुधाथोकी हमेशा अपने ग्लैमरस लुक्स की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर करती रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट एथनिक लुक्स में फोटोज शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका खूबसूरत अंदाज देखकर फैंस अपने होश खो बैठे हैं। बता दें कि ना सिर्फ पंजाबी इंडस्ट्री बल्कि भोजपुरी इंडस्ट्री में भी एक्ट्रेस अपने हुस्न का जलवा बिखेर चुकी हैं।

तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस ने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान ब्लैक कलर की साड़ी पहनी हुई है और साथ ही रेड कलर के ब्लाउज से उसे टीमअप किया है। कानों में झुमकें, माथे में बिंदी और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस अदिति बुधाथोकी ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। एक्ट्रेस अदिति बुधाथोकी हमेशा से ही लाइमलाइट का हिस्सा बनी रहती हैं। वो अपनी ब्यूटी से हर किसी का दिल जीत लेती हैं। अदिति बुधाथोकी सोशल मीडिया पर काफी ज्यादा एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर एक्ट्रेस की फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी ज्यादा तगड़ी है।

शरीर बन जाएगा बीमारियों का घर

सुख-चैन छीन सकती है स्मार्टफोन की लत

जिस तरह स्मार्टफोन में हम दिन-रात खोए हैं, उससे सेहत को गंभीर और खतरनाक नुकसान पहुंच रहा है। कई रिसर्च में पता चला है कि लगातार फोन का इस्तेमाल या मोबाइल फोन के बिना एक पल भी न रह पाना नोमोफोबिया नाम की बीमारी हो सकती है। यह इतना खतरनाक है कि शरीर को बीमारियों का घर बना सकता है। नामोफोबिया स्मार्टफोन की लत को कहते हैं। दुनियाभर में हुए एक सर्वे में 84 प्रतिशत स्मार्टफोन यूजर्स ने माना कि वे अपने फोन के बिना एक दिन भी नहीं गुजार सकते हैं। नोमोफोबिया का निगेटिव असर शारीरिक और मानसिक दोनों सेहत पर होती है। जानिए इसकी वजह से कौन-कौन सी बीमारियां हो सकती हैं।

नामोफोबिया की वजह से होने वाली बीमारियां

1. बैक बोन पर असर

यूनाइटेड कायरोप्रेक्टिक एसोसिएशन के अनुसार, लगातार फोन चलाने से कंधे और गर्दन झुक जाते हैं, जिसकी वजह से रीढ़ की हड्डी पर बुरा असर पड़ता है।

2. फेफड़ों की समस्या

लगातार फोन चलाने से गर्दन झुक जातीहै, जिसकी वजह से शरीर को पूरी या गहरी सांस लेने में दिक्कत होने लगती है। इसका फेफड़ों की सेहत पर असर पड़ता है।

3. टेक्स्ट नेक की प्रॉब्लम

फोन की स्क्रीन पर लगातार नजरें गड़ाए रखने से गर्दन के दर्द होने लगती है। जिसे टेक्स्ट नेक कहते हैं। लगातार टेक्स्ट मैसेज भेजने और वेब ब्राउजिंग करने वालों में ये समस्या ज्यादा देखने को मिलती है।

4. कंप्यूटर विजन सिंड्रोम

अमेरिकी विजन काउंसिल के सर्वे में पाया गया है कि 70त्न लोग स्मार्टफोन की स्क्रीन देखते समय अपनी आंखें सिकोड़ते हैं, जो आगे चलकर कंप्यूटर विजन सिंड्रोम बन जाता है। इसमें आंखों में सूजन और धुंधला नजर आने की समस्या होती है।

5. किडनी फेल हो सकती है

एक रिपोर्ट के मुताबिक, दुनिया में करीब 75त्न लोग अपना स्मार्टफोन बाथरूम में लेकर जाते हैं। जिससे हर 6 में से 1 फोन पर ई-कोलाई बैक्टीरिया मिल सकते हैं। इस बैक्टीरिया से डायरिया फैलने और किडनी फेल होने की आशंका रहती है।

6. नींद की समस्या

दो घंटे तक अगर फेस के सामने स्मार्टफोन की रोशनी पड़ती है तो 22त्न तक मेलाटोनिन कम हो जाता है। जिससे नींद की समस्या शुरू हो जाती है। एक सर्वे में पाया गया है कि स्मार्टफोन के लत की वजह से 12 प्रतिशत लोगों की पर्सनल लाइफ प्रभावित हुई है।

7. कॉन्फिडेंस कम होना

एक सर्वे में 41 प्रतिशत से ज्यादा लोगों ने माना है कि किसी के सामने बेवकूफ लगने से बचने के लिए वे स्मार्टफोन चलाते रहते हैं। ऐसा करने से उनका कॉन्फिडेंस कम हो सकता है। इसलिए इससे बचना चाहिए।

8. बढ़ सकती है चिंता

एक सर्वे में 45 प्रतिशत स्मार्टफोन यूजर्स ने माना है कि उन्हें फोन खोने या बाकी चीजों की चिंता सताती रहती है। जिससे पता चलता है कि फोन स्ट्रेस को भी बढ़ाने का काम करत रहा है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि जरुरत से ज्यादा फोन का इस्तेमाल फैमिली और फ्रेंड्स से दूर कर सकता है। इससे सामाजिक छवि भी बिगड़ सकती है।

इश्क विश्क रिबाउंड से बॉलीवुड में क्यों डेब्यू कर रही हैं, पश्मीना रोशन ने किया खुलासा

सुपरस्टार ऋतिक रोशन की कजिन पश्मीना रोशन अपकमिंग रोमांटिक कॉमेडी इश्क विश्क रिबाउंड से बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं। यह फिल्म 21 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। एक्ट्रेस ने खुलासा किया कि आखिर क्यों उन्होंने इस फिल्म को साइन किया। इस फिल्म को डायरेक्ट निपुण धर्माधिकारी ने किया है। पश्मीना ने बताया कि किस वजह से उन्होंने इस फिल्म को हां कहा। उन्होंने कहा, सबसे पहले, ऐसी आइकोनिक फ्रेंचाइजी के साथ काम करना मेरे लिए एक सपने के सच होने जैसा है। यह एक रोमांटिक फिल्म है और मेरी पसंदीदा शैली रोमांस और रोमांटिक कॉमेडी है।

उन्होंने आगे कहा, यह हमारी जनरेशन के यूथ लव को दिखाता है। इसलिए इस प्रोजेक्ट को करना, कुछ ऐसा है जिससे हम सभी बहुत ज्यादा कनेक्ट होते हैं। भले ही ऐसी चीजें हमारे लाइफ में न हुई हो, जिनसे हमारा कैरेक्टर गुजरा है। लेकिन यह थीम जुड़ाव महसूस कराता है। इसे एक बेहतरीन शुरुआत बताते हुए पश्मीना ने कहा, जैसे-जैसे चीजें आगे बढ़ीं, म्यूजिक आया, हमारे साथ बहुत अच्छा ट्रीट किया गया, हमारा बहुत ख्याल रखा गया। यह मेरा डेब्यू है और मुझे लगता है कि यह एकदम सही है। मेरे लिए सब कुछ सही रहा।

पश्मीना ने कहा कि उन्हें कोई मिल गया के सेट पर सिनेमा के प्रति लगाव अधिक बढ़ा। पश्मीना ने कहा, मैं और मेरी बहन सुरनिका सेट पर जाते थे, और यह हमारे लिए धरती पर सबसे खुशनुमा जगह हुआ करती थी। हमें ऐसा लगता था कि हमें अब कभी घर वापस जाने के लिए न बोला जाए। यहीं से मैंने सीखा कि मुझे सेट पर रहना अच्छा लगता है। मैंने स्कूल में थिएटर किया था। मेरी एक बहुत अच्छी टीचर मिसेज अमला थीं, जो काम के प्रति इतनी पैशनेट थी कि उन्होंने हममें भी वह पैशन भर दिया। मुझे लगता है कि उस क्लास का हर कोई क्रिएटिव फील्ड में चला गया है, और इसका काफी श्रेय उन्हें जाना चाहिए।

उन्होंने कहा, इन दो उदाहरणों से मुझे पता चला कि परफॉर्मिंग आर्ट्स में होना कैसा होता है। मुझे हमेशा लगता था कि मैं किसी और चीज से ज्यादा एक कलाकार हूं और यही बात मुझे सबसे ज्यादा खुशी देती है। पश्मीना ने आगे बताया कि उन्हें अपने बड़े भाई ऋतिक से क्या सलाह मिली है। उन्होंने कहा, एक समय था जब मैं यह तय कर रही थी कि मुझे मार्केटिंग में अपना करियर बनाना चाहिए या नहीं। मैं खुद को लेकर कंफ्यूज थी कि मैं इस फील्ड में रहने के लिए अच्छी हूं या नहीं। उस वक्त, न केवल ऋतिक, बल्कि मेरे परिवार के सभी लोगों ने मुझे सलाह दी कि अगर आप हर दिन अपना मन किसी काम में लगाते हैं और वह काम करते रहते हैं तो आप जो चाहें हासिल कर सकते हैं।

उन्होंने कहा, यह एक ऐसी बात है जिसे मैं सिर्फ फिल्मों के लिए ही नहीं, बल्कि जो कुछ भी काम मैं करती हूं, उसके लिए अपनाती हूं। अगर मैं कुछ करना चाहती हूं, तो मैं उसे पूरी लगन से करने की कोशिश करती हूं। मैं अपने गोल तक चलकर या दौड़कर जाऊंगी, अगर मैं दौड़ नहीं सकती, तो मैं रेंगकर जाऊंगी। यही सलाह मुझे दी गई और यही मैंने उन्हें करते देखा है। टिप्स फिल्म्स के तहत रमेश तौरानी और जया तौरानी द्वारा निर्मित इस फिल्म में रोहित सराफ, पश्मीना रोशन, जिबरान खान और नायला ग्रेवाल नजर आने वाले हैं। यह 21 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

खास खबर

जिले के सभी कार्यालय समय में खुले रिकार्ड को रखें दुरूस्त - डॉ गौरव सिंह

रायपुर। कलेक्टर डॉ गौरव सिंह ने रेडक्रास सभाकक्ष में आज समय-सीमा की बैठक ली। कलेक्टर ने कहा कि सभी जिला स्तरीय कार्यालय, सब डिविजिनल कार्यालय तथा अन्य मैदानी कार्यालय सुबह अनिवार्य रूप से प्रातः 10 बजे खुले। उचित मूल्य दर की दुकान भी समय पर खोलें और हितग्राहियों को राशन देना सुनिश्चित करें साथ ही किसी भी स्थिति में शिकायत नही आनी चाहिए। बैठक में नगर निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा, जिला पंचायक के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विश्वदीप एवं सहायक कलेक्टर अनुपमा आनंद उपस्थित थे। कलेक्टर ने कहा कि सभी अनुविभाग एवं जनपद स्तर के कार्यालय अलर्ट रहें और किसी भी प्रकार की घटनाओं पर नज़र रखें और ऐसी स्थिति होने पर मैदानी अमले पंचायत सचिव एवं पटवारी के माध्यम से सूचना प्रदान किया जाए। उन्होंने कहा कि सभी जनपद कार्यालय और उसके अंतर्गत आने वाले सभी पंचायत अपने रिकार्ड दुरस्त रखें, ताकि हितग्राहियों को शासकीय योजनाओं का लाभ सही ढंग से मिल सके। उन्होंने कहा कि पंचायत सचिव संबंधित पंचायत में जन्म-मृत्यु होती है तो उसका रिकार्ड अपडेट करें, ताकि पेंशन इत्यादि के प्रकरणों में उचित व्यक्ति को उसका लाभ मिले। डॉ गौरव ने कहा कि सभी जनपद सीईओ सह सुनिश्चित करें कि उनके क्षेत्रों में जल जीवन मिशन का कार्य प्रगति पर रहे और समय पर पूर्ण हो। बैठक में एडीएम, एसडीएम सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

सभी नगरीय निकाय पानी के टंकी एवं नालों की सफाई सुनिश्चित करें - कलेक्टर

रायपुर। कलेक्टर डॉ गौरव सिंह ने रेडक्रास सभाकक्ष में समय-सीमा की बैठक ली और विभिन्न कार्यों की समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि सभी नगरीय निकाय के सीएमओ यह सुनिश्चित करें कि उनके यहाँ पानी के टंकी की सफाई हो गई हो ताकि नागरिकों को स्वच्छ पेयजल मिले। बारिश में किसी भी प्रकार की महामारी या बीमारी ना फैले। इसका साथ ही टंकी सफाई के काम का प्रमाण पत्र प्रदान करें। उन्होंने कहा कि जल्द ही सभी नालों-नाली की सफाई पूर्ण करलें ताकि जलभराव की स्थिति ना हो। डॉ सिंह ने कहा कि आंधी-तूफान की स्थिति आने पर नगर निगम जिला पंचायत, विद्युत विभाग एवं अन्य अधिकारी फिल्ड में तत्काल निकलें और स्थिति पर नजर बनाएं रखें और किसी प्रकार की समस्या आने पर उसका समाधान करें। इससे नागरिकों को समय में राहत मिलेगी। कलेक्टर ने कहा कि एनजीटी ने 15 जून तक सारे रेत खदान बंद किए जाने के निर्देश दिए थे। इसके बाद भी रेत उत्खनन पाए जाने पर खनिज विभाग तथा अन्य संबंधित राजस्व अधिकारी तत्काल कार्रवाई करें। आबकारी विभाग ओवर रेट की शिकायत पर अविलंब कार्रवाई करें। पौधरोपण के लिए तैयारी करें और स्कूल शिक्षा सहित अन्य विभाग तत्काल जानकारी प्रदान करें। कलेक्टर ने कहा कि खाद्-बीज के स्टॉक पर नज़र रखें और इसकी कमी ना होने दें। साथ ही स्वास्थ्य विभाग बारिश को मद्देनजन रखते हुए दवाईयों की उपलब्धता सुनिश्चित करें।

आयुष योगा वेलनेस सेंटर में निःशुल्क योग शिविर

धमतरी। आयुष योगा वेलनेस सेंटर पालीक्लिनीक, कलेक्ट्रेट परिसर, रुद्री रोड, धमतरी में 21 जून निःशुल्क योग शिविर का आयोजन किया गया है। इस दौरान प्रतिदिन सुबह 6 से 8 बजे तक योग सिखाया जाएगा। योग चिकित्सक डॉ. रेवती नेताम ने बीते दिन वॉर्मअप करवाने के बाद क्रमशः बैठकर, खड़े होकर एवं लेट कर किए जाने वाले योगासनों का अभ्यास कराया। इसके साथ ही मानसिक तनाव से निजात दिलाने, कमजोर पाचन तंत्र मजबूत करने, फेफड़ा, मस्तिष्क में आक्सीजन की आपूर्ति बढ़ाने वाले, सर्वाइकल, कमर दर्द पीठ दर्द, हाथ पैर दर्द दूर करने वाले योगासनों का लाभ बताते हुए योग अभ्यास करवाया। पर्वतासन, वज्रासन, शशांक आसन, तितली आसन, उष्ट्रासन, शव आसन, पवन मुक्तासन सहित 15 प्रकार के अलग-अलग योग का अभ्यास करवाया। डॉ.नेताम ने कहा कि नियमित रूप से योगाभ्यास करते रहेंगे, तो शरीर एवं मन से संबंधित बीमारियां नहीं होंगी। कोई बीमारी होगी तो उसमें भी लाभ मिलेगा। गौरतलब है कि संचालनालय आयुष विभाग के निर्देशन एवं जिला आयुर्वेद अधिकारी के मार्गदर्शन में अंतर्राष्ट्रिय योग दिवस के अवसर पर 19 से 21 जून तक तीन दिवसीय निःशुल्क योग शिविर और चलेगा।

पीएम आवासों को कार्ययोजना बनाकर तेजी से पूर्ण किया जाए : उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में गठित नई सरकार विधानसभा चुनाव के दौरान राज्य की जनता को दी गई गारंटी को पूरा करने के लिए तेजी से काम कर रही है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर सभी विभागों के काम-काज में कसावट लाने का काम शुरू हो गया है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के काम-काज की गहन समीक्षा की।

उप मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास निर्माण के काम में तेजी लाई जाए। कार्ययोजना बनाकर इसे समय-सीमा में पूर्ण किया जाए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि बड़े गांवों के व्यवस्थित विकास के लिए भी कार्ययोजना तैयार करें। ग्रामीणों की समस्याओं के निराकरण के लिए प्रत्येक सप्ताह ग्रामीण सचिवालय का आयोजन किया जाए। इसी प्रकार पीएम जनमन योजना के तहत आदिवासी बहुल बसाहटों में मूलभूत सुविधाओं सहित सभी प्रमुख योजनाओं से जनजाति परिवारों को लाभान्वित किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत राशि की कमी नहीं होगी। सभी ग्राम पंचायतो में प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत किये जा रहे हैं। इन्हें तेजी से पूर्ण करने के लिए कार्ययोजना बनाएं। समीक्षा बैठक में प्रमुख सचिव निहारिका बारिक सिंह, संयुक्त सचिव तारन प्रकाश सिन्हा, संचालक प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण रजत बंसल, संचालक पंचायत प्रियंका ऋषि महोबिया, मिशन संचालक राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन नम्रता जैन, मिशन संचालक, राज्य स्वच्छ भारत मिशन संजय चंदन त्रिपाठी समेत विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। श्री शर्मा ने कहा कि कई पात्र हितग्राही जो आवास बनाने में सक्षम नही हैं उन्हें वालेंटियर्स के माध्यम से सपोर्ट दिया जाएगा। अधिकारी यह भी सुनिश्चित करें कि कार्य करने वाले मेंशन की पर्याप्त संख्या में उपलब्धता हो। जहां मेंशन नही है वहां स्थानीय लोगों को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए मेंशन की ट्रेंनिंग की व्यवस्था की जाए। निर्माण सामग्री उपलब्ध कराने वाले विक्रेताओं की सूची भी आवश्यकता पड़ने पर हितग्राहियों को उपलब्ध कराएं।

उहोंने कहा कि एक लॉट में स्वीकृत सभी आवासों का कार्य एक साथ शुरू हो और गृह प्रवेश भी एक साथ हो। आवास निर्माण के लिए हितग्राहियों को बैंकिंग सुविधा उपलब्ध कराने के लिए कहा कि जिन ग्रामो की दूरी बैंकिंग क्षेत्र से दूर है वँहा के हितग्राहियों को बैंक सखी, सीएससी और बैंक के मोबाइल बैंकिंग वैन के माध्यम से राशि आहरण करने की सुविधा उपलब्ध कराई जाए।

ग्राम पंचायतो में आने वाली समस्याओं, शिकायतो और प्रकरणों के निराकरण हेतु ग्राम पंचायत में प्रति सप्ताह और विकासखण्ड स्तर में 15 दिवस में 1 दिन ग्रामीण सचिवालय लगाने के निर्देश बैठक में दिए गए। अधिकारियों को इसकी मॉनिटरिंग के लिए पोर्टल बनाने के भी निर्देश दिए। बड़े गांवों का योजनाबद्ध ढंग से विकास होगा। इसके लिए प्रथम चरण में 3 हजार से अधिक जनसंख्या वाले गांवों का चयन किया जा रहा है। चयनित गांवों के विकास के लिए भारत सरकार के पंचायती राज मंत्रालय द्वारा निर्धारित मानकों के अनुसार योजना तैयार की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को पंचायत प्रतिनिधियों के शैक्षणिक भ्रमण हमर छत्तीसगढ़ योजना को पुनः प्रारम्भ करने के निर्देश दिये।

अमृत सरोवरों में गांव की सुविधा अनुसार पौधारोपण करने, पचरी बनाने और शौचालय बनाने के साथ ही मनरेगा अंतर्गत मानव दिवस सृजन हेतु रणनीति बनाने के भी निर्देश दिए।

एक लाख 39 हजार आवास पूर्ण

अधिकारियों ने बताया कि 1 दिसम्बर 2023 से अब तक 1 लाख 39 हजार आवास का निर्माण कार्य पूर्ण हुए, 62 हजार 577 का कार्य जारी है। उन्होंने कहा की प्रतिमाह औषत 23 हजार से अधिक घर बनाये जा रहे हैं। बैठक में उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अंतर्गत 47 हजार 90 आवास का लक्ष्य रखा गया है जिनमे से 33 हजार 115 आवास का कार्य प्रारंभ किया जा चुका है। इसी प्रकार नियद नेलानार योजना अंतर्गत 689 आवास स्वीकृत किये गए है जिनमे से 384 आवास का निर्माण कार्य पूर्ण किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री जनमन योजना अंतर्गत 20 हजार 279 आवास स्वीकृत किये गये हैं जिनमे से से 145 आवास को पूर्ण कराया जा चुका है।

ग्राम पंचायतों में बनेंगे महतारी सदन

प्रदेश के ग्राम पंचायतों में महिलाओं के लिए एक सुव्यस्थित महतारी सदन बनाया जाएगा। यह सदन सर्व सुविधायुक्त होगा। इस सदन में महिलाओं की विभिन्न गतिविधियां आयोजित होंगी। उप मुख्यमंत्री ने महतारी सदन की ड्राइंग डिजाइन का अनुमोदन करते हुए इसे तेजी से पूर्ण कराने के निर्देश अधिकारियों को दिए। महतारी सदन का निर्माण लगभग 25 सौ वर्गफुट होगा, यहां बरामदा, एक बड़ाहाल, किचन और स्टोररूम शौचालय जैसी सुविधाएं रहेगी। पानी के लिए ट्यूबवेल के साथ वाटर हार्वेस्टिंग भी किया जाएगा। महिलाओं की सुरक्षा के लिए इसमे बॉउंड्रीवाल भी बनाये जाएंगे।

आंधी-तूफान में बाधित विद्युत आपूर्ति को कड़ी मेहनत से विद्युत कर्मियों ने किया बहाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। मौसम में आये बदलाव के कारण गत दिनों मानपुर, मोहला, छुरिया, डोंगरगांव, डोंगरगढ़, खैरागढ़ एवं राजनांदगांव में आये आंधी-तूफान के कारण विद्युत वितरण तंत्र को काफी नुकसान का सामना करना पड़ा।

तूफान की प्रचंडता के कारण अनेक स्थानों पर दर्जनों पेड़ विद्युत लाइनों के उपर गिर गए थे एवं सैकड़ों डंगाले विद्युत लाइन के तारों में फंस गई थी, जिसके कारण बिजली के खंभे सहित वितरण तंत्र में ब्रेक-डाउन का गहरा असर हुआ था। इस व्यवधान को दूर करने के लिए विद्युत कर्मियों ने कड़ी मेहनत एवं अथक प्रयासों से यथासंभव जल्दी से जल्दी विद्युत आपूर्ति सामान्य कर दी। जिसके कारण रात का अंधेरा गहराने के पहले ही बिजली की रोशनी लौट आई। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत कंपनियों को सुशासन के लिए प्रेरित करते हुए स्पष्ट निर्देश दिए है कि जनहित से जुड़े विषयों और सेवाओं पर पूरी तत्परता से ध्यान देना है। इसके अनुपालन में विद्युत कंपनियों के अध्यक्ष पी. दयानंद तथा एम.डी. पारेषण एवं वितरण राजेश कुमार शुक्ला ने मैदानी अमले को विशेष हिदायतें दी है।

बीते दिनों में मानपुर, मोहला, छुरिया, डोंगरगांव, डोंगरगढ़, खैरागढ़ एवं राजनांदगांव में जब आंधी-तूफान से क्षेत्र के सभी फीडर ट्रिप हो गए तो विद्युत कर्मियों ने तत्काल मोर्चा संभाला। हवा के तेज वेग का प्रभाव इतना प्रचंड़ था सिर्फ राजनांदगांव के ग्रामीण एवं शहरीय क्षेत्रों में तेज आंधी-तूफान के कारण ट्रांसफार्मर, डी.पी., 11 के.व्ही. लाइनों एवं एलटी लाइनों के 41 से अधिक खंभे पूरी तरह से टूट गए, दो से तीन स्थानों पर वितरण ट्रांसफार्मर भी विफल हुए एवं अनेक स्थानों में बिजली लाइन के तार भी बुरी तरह से टूट गए।

लोगों को जगाना है सिकलसेल को भगाना है - मुख्यमंत्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि विश्व सिकलसेल दिवस पर लोगों को जगाना है और छत्तीसगढ़ से सिकलसेल एनीमिया को भगाना है। प्रदेश के 33 जिलों के 33 हजार हितग्राहियों को सिकलसेल के लिए चिन्हित किया गया है।

प्रदेश के एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों, छात्रावास-आश्रमों तथा आवासीय विद्यालयों में भी सिकलसेल स्क्रीनिंग एवं जागरूकता शिविरों का आयोजन 19 जून को किया जाएगा। राज्य स्तरीय मुख्य आयोजन राजधानी रायपुर के अटल बिहारी वाजपेयी चिकित्सा महाविद्यालय के ऑडिटोरियम में 19 जून को पूर्वान्ह 11.30 बजे मुख्यमंत्री की गरिमामयी उपस्थिति में किया जाएगा। विश्व सिकलसेल दिवस के अवसर पर 19 जून को राष्ट्रीय तथा राज्य स्तर पर जागरूकता शिविरों और सिकलसेल परीक्षण का आयोजन स्वास्थ्य केन्द्रों में किया जाएगा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने विभागीय अमले को प्रदेश में सिकलसेल उन्मूलन के लिए व्यापक रूप से स्क्रीनिंग एवं जागरूकता शिविरों का आयोजन करने के निर्देश दिए हैं। आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग एवं अन्य संबंधित विभागों द्वारा कार्ययोजना बनाकर सभी जिलों में सिकलसेल की स्क्रीनिंग एवं जागरूकता शिविरों का आयोजन किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ और पिछड़े आदिवासी क्षेत्रों में सिकलसेल बीमारी की अधिक से अधिक जागरूकता की आवश्यकता है, ताकि इस बीमारी का उन्मूलन किया जा सके। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने वर्ष 2024 तक विकसित भारत का संकल्प लिया है। इस कड़ी में सिकलसेल उन्मूलन मिशन का आगाज 2023 में किया गया है और इसके उन्मूलन का कार्य 2047 तक पूर्ण करने का लक्ष्य रखा है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरगामी सोच के अनुरूप छत्तीसगढ़ राज्य में शासन-प्रशासन, जनप्रतिनिधि, पंचायत, ग्राम सभा, सभी समुदाय के लोग, स्थानीय निकाय, एनजीओ, चिकित्सक, नर्स, पैरामेडिकल स्टॉफ, शिक्षक सहित सभी के सहयोग से इस लक्ष्य को 2047 से पहले ही प्राप्त करने प्रयास किया जाएगा। इस दिशा में तेजी से स्क्रीनिंग का कार्य और स्क्रीनिंग पश्चात् जिन लोगों को इस रोग के उपचार की आवश्यकता हो, उन्हें दवा, उपचार, परामर्श और सतत सहयोग देने के लिए राज्य शासन दृढ़ संकल्पित है।

विभागीय मंत्री रामविचार नेताम ने कहा कि सिकलसेल जागरूकता और परीक्षण एक प्रमुख कार्यक्रम है जो आदिवासी हितों की रक्षा करने के साथ-साथ छत्तीसगढ़ के अन्य रहवासियों की भी जीवन रक्षा में कारगर साबित होगा। उन्होंने कहा कि इस घातक रोग की रोकथाम, प्रबंधन एवं जनजागरण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा और इसके लिए सभी सेवाभावी संस्थाओं और स्वैच्छिक संगठनों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने हेतु आव्हान किया गया है। उन्होंने बताया कि विभाग में इसकी तैयारी करने के संबंध में सभी जिला कलेक्टर, सहायक आयुक्त एवं परियोजना प्रशासकों को पूर्व में ही निर्देश जारी किए जा चुके हैं।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से केन्द्रीय राज्य मंत्री राजभूषण चौधरी ने सौजन्य मुलाकात की

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से यहां उनके निवास कार्यालय में केन्द्रीय जल शक्ति राज्य मंत्री राजभूषण चौधरी ने सौजन्य मुलाकात की। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने चौधरी को शॉल, श्रीफल और स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने, केन्द्रीय राज्य मंत्री श्री चौधरी से छत्तीसगढ़ में नल से स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु जल जीवन मिशन के तहत कराए जा रहे कार्यों के संबंध में विस्तार से चर्चा की। मुख्यमंत्री ने बताया कि छत्तीसगढ़ राज्य में जलजीवन मिशन के तहत 50 लाख 5 हजार 12 घरों में नल कनेक्शन दिए जाने के लक्ष्य के विरूद्ध अब तक 39 लाख 17 हजार 491 घरों में नल कनेक्शन दिया जा चुका है, जो कि लक्ष्य का 78.21 प्रतिशत है।

राज्य के धमतरी जिले में सर्वाधिक 98 प्रतिशत घरों में नल कनेक्शन दिया जा चुका है। रायपुर जिले में 93.42 प्रतिशत, राजनांदगांव में 88.50 प्रतिशत, मुंगेली जिले में 87.27 प्रतिशत, जांजगीर-चांपा जिले में 87.21 प्रतिशत एवं दुर्ग जिले में 87.16 प्रतिशत घरों में नल कनेक्शन का काम पूरा हो चुका है। इसके अलावा राज्य के 13 जिलों में जल जीवन मिशन का 75 प्रतिशत से अधिक काम हो चुका है। राज्य के 19 हजार 647 गांवों में से 3 हजार 371 गांवों में शत-प्रतिशत कार्य पूर्ण कर लिया गया है।

16 हजार 257 गांवों में ग्रामीणों को नल कनेक्शन के माध्यम से जल आपूर्ति सुनिश्चित किए जाने का काम तेजी से पूर्णता की ओर है।

टॉक फॉर रायपुर शो में इस बार ऑप्टिज्म और सेरेब्रल पाल्सी पर चर्चा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बच्चों में होने वाले अनुवांशिक रोग ऑप्टिज्म और सेरेब्रल पाल्सी की पहचान और उसके निदान की जरूरी जानकारी रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड के पॉडकास्ट शो टॉक फॉर रायपुर में दी गई है।

शासकीय फिजियोथेरेपी कॉलेज की डिमॉस्ट्रेटर डॉ. चानन गोयल ने लगभग 25 मिनट के इस साक्षात्कार में राजधानी रायपुर में उपलब्ध सेवाओं और राज्य सरकार द्वारा अपने शासकीय अस्पतालों और आंगनबाड़ी केन्द्रों के माध्यम से दी जा रहें सभी सुविधाओं पर विस्तार से बात की है। यह पॉडकास्ट नगर निगम सुविधाओं से जुड़ें मोर रायपुर एप्प के माध्यम से सोशल मीडिया के सभी हैंडल्स पर उपलब्ध हैं।

डॉ. गोयल ने इस महत्वपूर्ण विषय पर विस्तार से चर्चा करते हुए बताया कि यदि बच्चा जन्म के बाद चार महीने में गर्दन न संभाल पाना, नौ महीने में बैठ न पाना, बारह महीने में खड़े न हो पाना और अठ्ठारह महीने में चल न पाना ये सब गतिविधियां नहीं कर रहा है या बच्चों से घुलने-मिलने की बजाय एकांत में रहना पसंद कर रहा हो, शब्दों के उच्चारण में तकलीफ़ हो और शब्द दोहराने में उसकी रूचि ज्यादा हो, तो डॉक्टर से परामर्श जरूर लेना चाहिए। उनका मानना है कि पोषण के अभाव, सिर पर चोट लगने से भी ऐसे लक्षण बच्चों में देखे जाते है। टॉक फॉर रायपुर शो को रायपुर स्मार्ट सिटी लि. के महाप्रबंधक श्री आशीष मिश्रा होस्ट कर रहे है और इसका प्रसारण मोर रायपुर एप्प में किया जाता है। इस पॉडकास्ट के 08 एपिसोड प्रसारित हो चुके हैं, जो मोर रायपुर एप्प के साथ ही रायपुर स्मार्ट सिटी लि. के यू-ट्यूब चैनल, फेसबुक पर भी उपलब्ध है।

डॉ. गोयल बताती है कि फिजियोथेरेपी से उपचार बहुत आसान हो चुका है, किन्तु जरूरत इस बात की होती है कि बच्चों में आ रही समस्या की पहचान जल्दी हो। गोयल तीन हजार से अधिक प्राइमरी स्कूल शिक्षिकाओं को रोग संबंधी प्रशिक्षण दे चुकी हैं। इस इंटरव्यू में वह यह भी बता रही है कि शासकीय चिकित्सालयों में संपर्क कर ऐसे बच्चों को बीमारी से छुटकारा दिलाया जा सकता है, किन्तु जरूरत इस बात की है कि न केवल अभिभावक, बल्कि शिक्षक और समाज भी बालपन में होने वाली ऐसी बीमारियों के लिए पूरी तरह से सजग रहे।

न्यू किट्टी बुक एंड स्टेशनरी मार्ट
• खाता बही, माला,
• फ्लावर झालर,
• लेजर बुक,
• कैश बुक,
• रोकड़ बही खाता
• कैलेंडर स्टेशनरी सामान
किसी भी बुक एंड स्टेशनरी में जाने से पहले एक बार न्यू किट्टी में जरूर पधारें...
नेहरू भवन रोड, सुपेला, भिलाई, मो.-9584917866, 6261748903

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर, अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics
Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

फॉलो गुड हैबिट्स : यातायात पुलिस ने कोचिंग सेंटरों में छात्र-छात्राओं को किया जागरुक

एसपी के निर्देश पर चलाया जा रहा अभियान

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग पुलिस द्वारा वाहन चालकों को हेलमेट और सीट बेल्ट लागाने जागरूक करने विगत 01 माह से लगातार फॉलो गुड हेबिटस अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में मंगलवार को भिलाई - दुर्ग में संचालित 07 कोचिंग सेन्टर, में आने वाले छात्र व छात्राओं एवं शिक्षकगण को दुर्ग पुलिस के अभियान से अवगत कराया गया। इस दौरान उप पुलिस अधीक्षक यातायात सतीश ठाकुर द्वारा कहा गया जिस प्रकार मोबाइल की सुरक्षा के लिए कवर लगाना जरूरी है इसी प्रकार सर की सुरक्षा के लिए हेलमेट पहनना भी जरूरी है कोचिंग सेन्टर के संचालकों को बिना हेलमेट आने वाले छात्र -छात्राओं को प्रवेश ना देने और यातायात पुलिस अवगत कराने कहा गया। साथ ही छात्र-छात्राओं को यातायात के अधिकारियों द्वारा 21 दिन हेलमेट एवं सीट बेल्ट लगाने प्रोत्साहति किया। इस दौरान बताया गया कि 21 दिन के बाद 22वें दिन होने वाला फायदा स्वयं महसूस करने लगेंगे।

बता दें जितेन्द्र शुक्ला, पुलिस अधीक्षक दुर्ग के निर्देश पर वाहन चालकों को वाहन चालन के दौरान हेलमेट एवं सीट बेल्ट लगाने हेतु जागरूक करने दिये गये। निर्देश के परिपालन डीएसपी यातायात सतीश ठाकुर व सुखनंदर राठौर के नेतृत्व में दुर्ग पुलिस द्वारा विगत 1 माह से चलाये जा रहे फॉलो गुड हेबिटस अभियान के तहत लगातार 21 डे चैलेंज की जानकारी जागरूकता कार्यक्रम के माध्यम से दी जा रही है। कोचिंग सेन्टर में आने वाले छात्र छात्राओं को यातायात पुलिस की इस 21 डे चैलेज को स्वीकार करते हुए अपना फोटो व वीडियों यातायात पुलिस के हेल्प लाईन नंबर 94791-92029 में सांझा किये जाने बताया गया। साथ ही कोचिंग सेन्टर के संचालकों को बिना हेलमेट लगाये आने वाले छात्र-छात्राओं को प्रवेश ना देते हुए यातायात पुलिस को अवगत कराने कहा गया।

21 दिन करें फॉलो, 22वें दिन बनेगी आदत

दुर्ग पुलिस द्वारा यातायात जागरूकता अभियान फॉलो गुड हेबिटस के तहत पुनः मंगलवार 19 जून को भिलाई-दुर्ग के 7 कोचिंग सेन्टर में आने वाले छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकगण को यातायात पुलिस की मूहिम से अवगत कराते हुए बताया गया कि यदि आप 21 दिन तक लगातार दो पहिया वाहन चालन के दौरान हेलमेट लगाने से और चार पहिया वाहन चालन के दौरान सीट बेल्ट लगाते हो तो 22वें दिन से वे आपके अच्छी आदत में सुमार हो जायेगा। इसके बाद आप बिना हेलमेट एवं बिना सीट बेल्ट लगाए वाहन चलाते है तो आपको स्वयं असुरक्षित एवं असुविधाजनक महसूस होता है और आपके अंदर एक अच्छी आदत सुमार हो जाती है।

खास खबर

गाड़ी की किश्त को लेकर विवाद में युवक की हत्या, पिता व बड़े भाई ने घोंट दिया गला

रायपुर। राजधानी में गाड़ी के किश्त को लेकर हुए विवाद के बाद युवक की हत्या कर दी गई है। मृतक की पहचान श्याम सुंदर पटेल के तौर पर हुई। युवक का नाम हत्या किसी और ने नहीं बल्कि उसके पिता प्रहलाद पटेल और बड़े भाई सुनील दत्त पटेल ने मिलकर कर दी। मामला धरसींवा क्षेत्र का है। पुलिस ने आरोपी पिता और उसके बड़े बेटे को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस की पूछताछ में दोनों ने हत्या की बात कुबूल ली। आरोपियों ने पुलिस को बताया कि श्याम सुंदर ने कुछ महीने पहले गाड़ी खरीदी थी। जिसकी किस्त पटाने को लेकर वह घर पर अक्सर विवाद करता था। हत्या के दिन वह अपने भाई के साथ मारपीट कर रहा था। तभी बाप ने गुस्से में आकर पीछे से उसके सिर पर वार कर दिया। जिससे वो जमीन में गिर गया। फिर बड़े भाई ने कपड़े से उसका गला घोंट दिया और पास के ही खेत में लाश फेंक दी। इस मामले में पुलिस ने दोनों आरोपियों प्रहलाद पटेल और सुनील दत्त पटेल को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड में भेज दिया है।

उत्तर प्रदेश के तस्कर रायपुर में गिरफ्तार, आरोपी के कब्जे से लगभग ढाई लाख का गांजा जब्त

रायपुर। पुलिस ने उत्तर-प्रदेश के अंतर्राज्यीय गांजा तस्कर को 12 किलोग्राम गांजा के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी भाठागांव न्यू बस स्टैण्ड स्थित गेट नंबर तीन के पास गांजा के साथ खड़ा हुआ था। वह कहीं जाने और बेचने के लिए ग्राहक की तलाश कर रहा था। इस दौरान पुलिस ने उसे रंगे हाथ पकड़ा है। उसके कब्जे से लगभग दो लाख 40 हजार रुपये का गांजा जब्त किया गया है। पूरा मामला टिकरापारा थाना का है।

एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट अंतर्गत गठित नारकोटिक्स सेल की टीम को सूचना मिली कि थाना टिकरापारा क्षेत्रांतर्गत भाठागांव न्यू बस स्टैण्ड स्थित गेट नंबर तीन पास एक व्यक्ति अपने पास गांजा रखा है। कहीं जाने की फिराक में है। एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट और थाना टिकरापारा पुलिस की टीम ने मुखबिर के बताए जगह पर पहुंचकर व्यक्ति को चिन्हांकित कर पकड़ा गया। पूछताछ में व्यक्ति ने अपना नाम शानू सिद्धकी निवासी बाराबंकी (उत्तर-प्रदेश) का होना बताया। पुलिस ने उसके पास रखें बैग की तलाशी लेने पर बैग में गांजा रखा होना पाया गया। जिस पर टीम के सदस्यों ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 12 किलोग्राम गांजा कीमती लगभग दो लाख 40 हजार रुपये जब्त किया है।

10वीं की छात्रा से दुष्कर्म करने वाले आरोपी को उम्रकैद

दुर्ग। 10वीं की छात्रा के अश्लील फोटो निकालकर उसके साथ दुष्कर्म करने वाले आरोपी शेख अशरफ को पॉक्सो एक्ट की विशेष न्यायालय ने दोषी करार दिया है। आरोपी पीड़िता को करीब 2 साल से ब्लैक मेल करके अनाचार कर रहा था। पूरे घटनाक्रम की जानकारी आरोपी की पत्नी को होने पर उसने पति की हरकतों का भंडाफोड़ किया था।

प्रकरण में अपर सत्र न्यायाधीश चतुर्थ संगीता नवीन तिवारी की अदालत ने अंतिम सांस तक कारावास में रहने की सजा सुनाई है। विशेष लोक अभियोजक संतोष कसार ने बताया कि 16 वर्षीय पीड़िता 10वीं की छात्रा थी। पारिवारिक परिचय होने की वजह से आरोपी शेख अशरफ पिता शेख मोहम्मद के घर पढ़ने जाती थी। इसी बीच आरोपी शेख अशरफ उसे बहाने से बाइक पर बिठाकर घूमने ले जाने लगा। आरोपी ने पहली बार पीड़िता के घर में घुसकर अनाचार किया और पीड़िता के अश्लील फोटो निकाल लिए। उन्हें वायरल करने की धमकी देकर अनाचार करता रहा।

सगाई की रात युवती ने प्रेमी के साथ खाया जहर, दोनों की मौत

कांकेर जिले की घटना, प्रेमी जोड़े की शादी के खिलाफ थे परिजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

कांकेर। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में प्रेमी युगल की आत्महत्या का मामला सामने आया है। प्रेमी युगल एक दूसरे से प्यार करते थे और शादी करना चाहते थे। इसके लिए परिवार वाले राजी नहीं थे और युवती की शादी कहीं और तय कर दी। जिस दिन लड़की की सगाई हुई उसी रात को प्रेमिका अपने प्रेमी के साथ घर से निकल गई और दोनों ने जहर खा लिया। दूसरे दिन दोनों खेत में बेसुध पड़े मिले। परिजन दोनों को अस्पताल ले गए जहां युवती की मृत घोषित कर दिया और इलाज से पहले की युवक की भी मौत हो गई।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार शांति दर्रो (20) पिता सुकदेव दर्रो निवासी पटेलपारा गुड़ाबेड़ा का सोनू कोमरा (20) पिता बुधराम कोमरा के साथ पिछले कुछ समय से प्रेम प्रसंग चल रहा था। दोनों एक दूसरे से शादी करना चाहते थे लेकिन परिजन इसके लिए राजी नहीं थी। इस बीच शांती की शादी कहीं और तय कर दी गई और 15 जून को सगाई थी। शनिवार को सगाई के बाद रात को शांती अपने प्रेमी सोनू से घर से बाहर मिली। इसके बाद दोनों खेतों की ओर गए और जहर खा लिया।

इधर सगाई वाले घर में शांति की तलाश होती रही लेकिन उसका कुछ पता नहीं चल पाया। रविवार की सुबह करीब 6 बजे गांव के रामदेव पोया ने बताया कि शांति दर्रो और सोनू कोमरा दोनों एक साथ खेत में पड़े हुए हैं। सूचना मिलते ही परिजन ग्रामीणों के साथ जब घटना स्थल पहुंचे तो वहां पर दोनों खेत में एक दूसरे से लिपटे हुए पड़े थे। गांववालों की मदद से दोनों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया।

प्रेमी-प्रेमिका ने तोड़ा दम

अस्पताल में डॉक्टरों ने शांति दर्रो को मृत घोषित कर दिया। वहीं सोनू कोमरा ने भी उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। मृतक युवती शांति दर्रो सरण्डी की रहने वाली है वह अपने नाना- नानी के घर गुड़ाबेड़ा में रहकर पढ़ाई लिखाई कर रही थी। उसकी सगाई भी नाना नानी के घर में ही संपन्न किया गया था। एक से प्यार और दूसरे से शादी यह दोनों को मंजूर नहीं था इसलिए दोनों ने खुदकुशी का फैसला कर जहर खा लिया। फिलहाल इस पूरे मामले में पुलिस जांच कर रही है।

सुकमा में सुरक्षाबलों व नक्सलियों के बीच मुठभेड़, सामग्री बरामद

जवानों को भारी पड़ता देख जंगल की आड़ लेकर भागे नक्सली

श्रीकंचनपथ न्यूज

सुकमा। जिले में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई है। इस दौरान नक्सली जंगलों की आड़ लेकर भाग निकले। इस मुठभेड़ में जवानों को एक हथियार मिला है। वहीं, मौके से नक्सलियों की दैनिक उपयोगी सामग्री भी सर्चिंग के दौरान जवानों ने बरामद की है।

एसपी किरण चौहान ने बताया कि मुखबिर से चिंतलनार थाना क्षेत्र अंतर्गत करकनगुड़ा के जंगलों में नक्सलियों के जमावड़े की सूचना मिली थी। इसके बाद इलाके में सर्चिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान जवानों को आता देख नक्सलियों ने गोलीबारी शुरू कर दी और जवाबी कार्रवाई में खुद पर जवानों को भारी पड़ता देख नक्सली जंगलों की आड़ लेकर फरार हो गए।

इसके बाद इलाके में जवानों द्वारा सर्च अभियान चलाया गया। इस दौरान मौके से एक हथियार और अन्य नक्सली सामग्री बरामद की गई है। इस मुठभेड़ में कई नक्सलियों को गोली लगने का अंदेशा जताया जा रहा है। फिलहाल सभी जवान सुरक्षित कैंप लौट आए हैं।

चाकू दिखाकर ड्राइवर-हेल्पर से 1 लाख 10 हजार रुपए कराए ऑनलाइन ट्रांसफर, चार आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर-चांपा। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले में सड़क किनारे गाड़ी खड़ी कर सो रहे ड्राइवर-हेल्पर से मारपीट की गई है। उनके मोबाइल, ऑनलाइन कैश और पिकअप लूट ले गए। अब पुलिस ने 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जबकि अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। घटना चांपा थाना क्षेत्र की है। पीड़ित योगेश पटेल (34) ने पुलिस को बताया कि, उसका पोल्ट्री फॉर्म है। 17 जून की सुबह 4 बजे अपने पिकअप से माल लेने के लिए महुदा गांव निवासी द्वारिका प्रसाद के पास पहुंचे। वहां पोल्ट्री फॉर्म बंद होने पर सड़क किनारे पिकअप खड़ी कर सो रहे थे।

पहले पीटा और फिर चाकू की नोक पर की लूट

इसी दौरान करीब सुबह के 4.30 बजे 3 बाइक में 6 से 7 लोग आए। उनके साथ मारपीट करते हुए मोबाइल का पासवर्ड और बैंक बैलेंस पूछने लगे। नहीं बताने पर जान से मारने की धमकी देने लगे। डंडे से मारपीट कर चाकू दिखाकर डराया धमकाया। डर की वजह से मोबाइल का पासवर्ड बता दिया। जिसके बाद उसके फोन से 70 हजार रुपए ट्रांसफर अपने फोन में ट्रांसफर कर लिया। ज्यादा पैसों की मांग करने पर दूसरे से भी फोन कर 40 हजार रुपए ट्रांसफर कराए। इस तरह 1 लाख 10 हजार रुपए, मोबाइल और पिकअप लूटकर भाग गए। वहीं, योगेश और उसके साथी को केरा झरिया और पिकअप को कुदरी बैराज के पास छोड़ दिया।

इस मामले में चांपा पुलिस ने आरोपी प्रशांत चौहान (23), मुकेश (23), राजू चौहान (32) और प्रलय प्रधान (34) को हिरासत में लेकर पूछताछ की। जिसमें आरोपियों को वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया है। उनके पास से 3 बाइक, चाकू, तलवार और 91 हजार रुपए कैश बरामद किया है।

बीच सड़क में बीयर से भरी ट्रक पलटी, लोगों ने मचाई लूट, पुलिस ने रोककर खदेड़ा

महाराष्ट्र से ओडिशा जा रही थी 2400 पेटी शराब

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले में जीई रोड नेशनल हाईवे पर बीयर से भरा एक ट्रक पलट गया, जिससे हाईवे पर जाम लग गया। बताया जा रहा है कि ट्रक महाराष्ट्र के औरंगाबाद से बीयर की पेटियां लेकर आ रहा था, जिसमें करीब 2400 पेटी बियर के डिब्बे थे। पूरा मामला सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के मुताबिक बीयर ट्रक से ओडिशा जा रही थी, तभी मंगलवार की रात में लगभग 1 बजे जी ई रोड में पीडब्ल्यूडी कार्यालय के पास अचानक से ट्रक पलट गया। ट्रक के पलटने से ड्राइवर क्लीनर बच गए, लेकिन सड़क पर बीयर की कई पेटियां टूट कर बिखर गई।

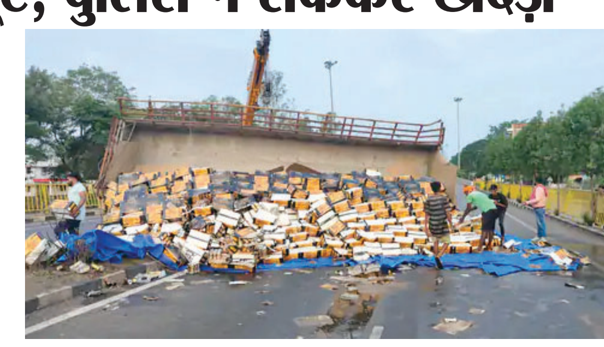

इस दौरान सड़क पर शराब बहने लगी। सड़क पर आने जाने वाले लोगों ने बीयर की पेटी लेकर भागने की कोशिश की, लेकिन लोगों को पुलिस ने दौड़ाकर पकड़ लिया। रात को ही पुलिस बल और आबकारी विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई थी। उप निरीक्षक उज्जवल सूत्रधर और रामसिंह पाटिल मौके पर पहुंचकर पलटे ट्रक को खाली करा कर दूसरी गाड़ी से बीयर की पेटियों को नदई स्थित मोहरा वेयर हाउस में रखवाया गया है। बाद में परमिट जारी होने पर माल को ओडिशा रवाना किया जाएगा। इसके साथ ही पलटे ट्रक को क्रेन से सीधा कराया गया है। जब तक ट्रैफिक जाम हो चुका था। बाइपास के माध्यम से ट्रकों को रवाना किया जा रहा है, लेकिन जब तक सुबह दुर्ग और नागपुर से शहर में आने वाली गाड़ियों की जाम लग गई। अभी यातायात दुरुस्त हो गया है।

पिता के साथ खेत से पैदल घर लौट रहा था युवक, बिजली की चपेट में आने से मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

कबीरधाम। जिले में मंगलवार शाम करीब 4.30बजे आकाशीय बिजली की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई है। मामला सहसपुर लोहारा थाना क्षेत्र के गोरमाटी गांव का है। मृतक संजू साहू अपने पिता पूरन साहू के साथ खेत में काम कर रहा था। ये दोनों ट्रैक्टर के माध्यम से अपने खेत की जुताई कर रहे थे।

सहसपुर लोहारा थाना क्षेत्र के गोरमाटी गांव में मंगलवार शाम आकाशीय बिजली की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। युवक संजय साहू अपने पिता पूरन साहू के साथ खेत में काम कर रहा था। ये दोनों ट्रैक्टर से अपने खेत की जुताई कर रहे थे। इसके बाद दोनों पैदल घर लौट रहे थे, तभी संजय साहू आकाशीय बिजली की चपेट में आ गया।

जानकारी के अनुसार, दोनों खेत में काम कर रहे थे, तभी आंधी-तूफान के साथ बारिश शुरू हो गई। बारिश से बचने के लिए दोनों बाप-बेटे अपने घर पैदल लौट रहे थे। इस दौरान संजू साहू के ऊपर आकाशीय बिजली गिर गई और मौके पर ही उसकी मौत हो गई है। कबीरधाम जिले में इस बारिश के सीजन में यह दूसरी घटना है, जिसमें मौत हुई है। इससे पहले जिले के वनांचल ग्राम तितरी में एक हफ्ते पहले आकाशीय बिजली की चपेट में आने से एक की मौत और छह लोग झुलस गए थे। ये लोग तालाब में मछली पकड़ने गए हुए थे। इस दौरान मौसम खराब होने के बाद सभी पेड़ के नीचे खड़े थे, तभी आकाशीय बिजली गिरने से एक की मौत और छह लोग घायल हुए थे। कबीरधाम जिला जंगल व पहाड़ से घिरा हुआ है।

बारिश से बचने पेड़ के नीचे छिपे 3 ग्रामीण, 2 की हुई मौत

कोरबा।में अंधड़-बारिश के दौरान एकाएक गाज गिरने से भीगने से बचने पेड़ के नीचे खड़े तीन ग्रामीण झुलस गए। इनमें से दो की मौत हो गई। वहीं तीसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा कटघोरा विकासखंड के कर्रा गांव में हुआ। कटघोरा से पसान जाने वाले रोड पर जटगा के समीप पड़ने वाले उक्त गांव में रहने वाले एक ही परिवार के भुवनेश्वर सिंह (42), बसंती कंवर (40) व मनबोध (40) मानसून से पहले खेत में काम करने प्रतिदिन पहुंच रहे थे। मंगलवार को भी वे तीनों दोपहर में खेत में काम कर रहे थे। इस दौरान एकाएक मौसम बिगड़ गया।

अंधड़ के साथ ही तेज बारिश होने लगी। वे तीनों भीगने से बचने पास स्थित पेड़ के नीचे पहुंचे, जहां वे खड़े थे। इसी दौरान गरज-चमक के साथ पेड़ पर गाज गिरी। वे तीनों झुलस गए। इनमें भुवनेश्वर सिंह और बसंती की मौके पर मौत हो गई, जबकि मनबोध गंभीर रूप से घायल हो गया। बारिश थमते ही ग्रामीण मौके पर पहुंचे तो घटना का पता चला। उन्होंने घटना की जानकारी पुलिस को दी। जिले के आऊटर में कई क्षेत्र में मौसम बिगड़ने के साथ अंधड़ व बारिश हुई। शहर में भी शाम होते ही बदली छाने के साथ मौसम बदली। अंधड़ के बाद लगा बारिश होगा लेकिन बाद में मौसम साफहो गया। दिन का अधिकतम तापमान 37 डिग्री व न्यूनतम 26 डिग्री रहा। इससे उमस से लोगों का हाल बेहाल रहा। मौसम विभाग के मुताबिक बुधवार को बदली छाने से तापमान में गिरावट आएगी, पर उमस बरकरार रहेगी। बारिश होने के आसार कम है।

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu
9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

खास - खबर

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियां जोरो पर

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई में 21 जून को दशम अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योग कार्यक्रम का आयोजन शांति नगर दशहरा मैदान फुटबाल ग्राउण्ड समय प्रात: 6 से 7 बजे के मध्य होगा। इसमें सामाजिक, धार्मिक, अध्यात्मिक, जनप्रतिनिधि, छात्रो, खिलाड़ी, योगा आचार्यो एवं नागरिको की उपस्थिति में होगा। इस कार्य हेतु आयुक्त देवेश कुमार ध्रुव ने कार्यक्रम के सुचारू संचालन के लिए अधिकारियों एवं कर्मचारियों को दायित्व सौंपे है। नगर पालिक निगम भिलाई के अपर आयुक्त अशोक द्विवेदी नोडल अधिकारी होगें। जोन आयुक्त येशा लहरे, सहायक अभियंता अरविंद शर्मा, उपअभियंता बसंत साहू, रीमा जाम्भुलकर, विजेन्द्र गुप्ता को मंच, चादर, माईक, मेट, कुर्सी, टेबल, गुलदस्ता, माला व्यवस्था सौंपा गया है। स्वास्थ्य अधिकारी धर्मेन्द मिश्रा एवं सहायक राजस्व अधिकारी अनिल मिश्रा को मैदान की साफ-सफाई के साथ शौचालय व्यवस्था का कार्य सौंपा गया है। जनसम्पर्क अधिकारी अजय शुक्ला, प्रभारी अधिकारी परियोजना रीता चतुर्वेदी, डाटा एन्ट्री ऑपरेटर शरद दुबे, स्टेनो टायपिस्ट संजय शर्मा, मिशन मैनेजर अमन पटले को प्रचार-प्रसार, विडियोग्राफी, जनप्रतिनिधयों, शैक्षणिक संस्थानो, प्रशिक्षको, छात्रो, स्काउट गाईट, एन.सी.सी., खिलाड़ी, सामाजिक संगठनो आदि को आमंत्रित करने के साथ निगम भिलाई की ओर से प्रशिक्षको को मोमेन्टो बाटने का दायित्व सौंपा गया है। कार्यपालन अभियंता कुलदीप गुप्ता को मंच निर्माण, बैनर पोस्टर, स्वलपाहार का कार्य सौंपा गया है। इसी प्रकार स्वच्छता पर्यवेक्षक पलाश वैद्य को चिकित्सीय (एम.एम.यू.) व्यवस्था का कार्य सौंपा गया है।

आर.टी.ई. के तहत एडमिशन हेतु फर्जीवाड़ा करने वालों पर होगी एफआईआर

दुर्ग। कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी के निर्देशानुसार जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत सत्र 2024-25 हेतु एडमिशन में हुई गड़बड़ी की जांच करायी गई। जांच उपरांत जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा संबंधित पालकों क्रमश: भुनेश्वर कुमार निनान्वे एवं बनारसी साहनी के विरूद्ध प्रथम प्राथमिकी दर्ज करने हेतु पुलिस अधीक्षक को दस्तावेज प्रेषित कर दी गई है। ज्ञात हो कि उक्त पालकों द्वारा फर्जी दस्तावेज के आधार पर आर.टी.ई. के तहत अपने बच्चे का प्रवेश की प्रत्याशा में एक से अधिक आवेदन किया गया है। सभी आवेदनों में आधार नंबर एक समान है किन्तु पता अलग-अलग है। उनके द्वारा ऑनलाईन आवेदन करते समय घोषणा की गई है कि सत्यापन करने पर कोई जानकारी झूठी या असत्य पायी जाती है तो बच्चे का प्रवेश रद्द कर अपने विरूद्ध कानून के अनुसार कार्रवाई किये जाने की जानकारी दी गई।

अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद की प्रांतीय बैठक में शामिल हुए दुर्ग के अधिवक्तागण

दुर्ग। अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद छत्तीसगढ़ प्रांत की प्रांतीय बैठक 16 जून 2024 को न्यू सर्किट हाउस अंबिकापुर में परिषद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सत्यप्रकाश, क्षेत्रीय संगठन मंत्री हरि बोरिकर व क्षेत्रीय मंत्री विक्रम दुबे, निबृतमान कार्यकारी अध्यक्ष संतोष सोनी एवं महामंत्री नीरज शर्मा की उपस्थिति में संपन्न हुई। जिसमें अधिवक्ता परिषद छत्तीसगढ़ के नए प्रदेश अध्यक्ष अनिल सिंह मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी, कार्यकारी अध्यक्ष झरना बांगर जगदलपुर, महामंत्री धर्मेश श्रीवास्तव बिलासपुर व कोषाध्यक्ष महेश देव रायपुर एवं अधिवक्ता परिषद उच्च न्यायालय बिलासपुर इकाई के अध्यक्ष अनूप मजूमदार एवं महामंत्री शिखर शर्मा को नियुक्त किया गया। उक्त बैठक में अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद छत्तीसगढ़ प्रान्त के सभी जिलों के पदाधिकारियों सहित दुर्ग से पदाधिकारीगण समीर कुमार त्रिपाठी, दीपेंद्र देशमुख ,श्रीमती नीता साहू उपस्थित थे।

बारिश में आपात स्थिति से बचाने निगम के 100 से ज्यादा कर्मियों की टीम अलर्ट पर, निगम ने बनाया कंट्रोल रूम

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भारी बारिश को देखते हुए वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने तत्काल निगम आयुक्त भिलाई से चर्चा कर आपात बैठक बुलाने और जलभराव क्षेत्र सहित निगम टीम को अलर्ट रखने के निर्देश दिए गए। विधायक के निर्देश पर निगम आयुक्त ने निगम अधिकारियों की आपात बैठक ली। इस दौरान 100 कर्मचारियों की टीम बनाई गई है जो अलर्ट मोड पर रहेगी। यही नहीं बारिश को देखते हुए कंट्रोल रूम भी बनाया है जिसमें आपात स्थिति में 24 घंटे संपर्क किया जा सकेगा।

बारिश के दौरान बचाव के लिए नगर निगम भिलाई के आयुक्त देवेश कुमार ध्रुव ने आपदा प्रबंधन के लिए बाढ़ नियंत्रण प्रकोष्ठ दल एवं कंट्रोल रूम का गठन किया है। नगर निगम भिलाई के मुख्य कार्यालय एवं जोन कार्यालय में 24 घंटा संचालित होगी।

अपर आयुक्त अशोक कुमार द्विवेदी इसके नोडल अधिकारी होगें। अपर आयुक्त के निर्देशन में अधिकारी एवं कर्मचारी आपदा प्रबंधन का कार्य संपादित करेगे। नगर निगम का कंट्रोल रूम में ऑपरेटर राजदीप वैष्णव मो.नं. 9039136979, मिलाप साहू मो.नं. 9111681708 सुबह 6 से 2 एवं उमेश कोरी मो.नं. 8839022648, दिलीप कुमार हुमने मो.नं. 8234018349 दोपहर 2 से रात्रि 10 बजे तक, उमा शंकर मो.नं. 998190447, टूम्मन लाल मो.नं. 6266620379, युवराज साहू मो.नं. 9970337382 रात्रि 10 से सुबह 6 बजे तक कार्य करेंगे। सभी कंट्रोल रूम 24 घंटे खुले रहेगे।

कंट्रोल रूम में तीनों शिफ्ट में बैठें कर्मचारी

आयुक्त ने कहा कि नगर निगम भिलाई में कंट्रोल रूम सुचारू रूप से संचालित हो, तीनों शिफ्ट में कर्मचारी बैठें, लोगो की समस्याओं को नोट करके संबंधित अधिकारी कर्मचारी को बताएं। स्वास्थ्य विभाग का दल नालियों में या अन्य किसी स्थल पर पाईप से पानी का लिकेज हो रहा हो तो उसे बताएं, उसका संधारण कार्य निगम का जल विभाग त्वरित रूप से करे। सभी जोन से पानी का सैंपल लिये जाएं, उनकी जांच की जाये कि पर्याप्त मात्रा में गुणवत्ता है कि नहीं। उसी के साथ बहुत से घरों में प्राइवेट एजेंसी से आरओ का पानी लिया जाता है। उन्हें भी चेक करें कि वह मानक के अनुकुल है कि नहीं। इसके संबंध में आम नागरिकों, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, व्यापारियों से भी अपील की गई है कि सब लोग नगर निगम के अधिकारी, कर्मचारियों का सहयोग करें।

जलजनित बीमारियों के लिए करें जागरूक

निगम आयुक्त के मार्गदर्शन में तेज वर्षा को ध्यान में रखते हुए वार्ड 41 औद्योगिक क्षेत्र, छावनी के आदिवासी मोहल्ला, श्रमिक बस्तियों में मच्छर उन्मूलन एवं जलजनित मौसमी बिमारियों से बचाव के लिए लोगों को जागरूक भी किया जा रहा है। निगम आयुक्त देवेश कुमार ध्रुव ने अधिकारी कर्मचारियों को निर्देश देते हुए बताया कि तेज वर्षा को ध्यान रखते हुए निचली बस्तियों एवं जल भराव वाले क्षेत्रों का निरीक्षण कर बरसाती पानी जमा होने से एवं पानी से फैलने वाले जलजनित बिमारियों से बचने नागरिकों को अपने घरों के कुलर, पुराने टायर, टंकी, ड्रम, पुराने मटके इत्यादि को खाली रखने कहा जाए। चूंकि साफपानी में ही मच्छरों का प्रजनन होने से अण्डा देता है जिससे लार्वा बनता है और उल्टी, दस्त, पीलिया, डायरिया जैसे बिमारियां फैलते हैं।

जोन स्वास्थ्य अमला मुस्तैद

आयुक्त ध्रुव ने नागरिकों से अपील की है कि बरसात के दिनों में होने वाले मौसमी बिमारियों से अपने एवं अपने परिवारजनों को बचाये साथ ही मैलाथियान दवाई एवं जला आईल का छिड़काव भी करे। जागरूकता अभियान के तहत वरिष्ठ स्वच्छता निरीक्षक केके सिंह शहरी परिवार कल्याण केन्द्र सुपेला से विजय सेजुला, एसके दिल्लीवार, मनोज साहू, जिला मलेरिया विभाग से राजकुमार भसकोलो, उमेश कपूर, मितानीन शोभा शाह के साथ निगम के जोन स्वास्थ्य अमला लगातार मुस्तैद है। निगम क्षेत्र में भारी वर्षा को ध्यान रखते हुए आयुक्त ने निगम की टीम को एलर्ट किया है। बैठक में स्वास्थ्य अधिकारी, कार्यपालन अभियंता, भवन अधिकारी, सर्व जोन स्वास्थ्य अधिकारी, जनसम्पर्क अधिकारी आदि को भारी बारिश के ऐहतियातन आवश्यक निर्देश आयुक्त ने दिए हैं। जलजनित बिमारी जैसे- डायरिया, मलेरिया, डेंगू इत्यादि से बचने के लिए घर-घर जाकर दवाई का वितरण करना, घरो को चेक करना, प्रत्येक जोन में विशेष दल गठित कर रखना जो आवश्यकता पड़ने पर मुस्तैद रहे।

साहित्य, संस्कृति और समाज में संवेदना और सहयोग आवश्यक: डॉ.शर्मा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। साहित्य - संस्कृति मर्मज्ञ आचार्य डॉ.महेश चन्द्र शर्मा ने आस्था वृद्धाश्रम सेक्टर-2 में वृद्ध और वृद्धाओं की सेवा की और बहुउद्देशीय संस्था आस्था द्वारा आयोजित दिव्यांग एवं निर्धन सामूहिक विवाह में सहयोग एवं आशीर्वाद दिया। आचार्य डॉ.शर्मा की मान्यता है कि साहित्य समाज का दर्पण है, ये हमारे व्यवहार में भी दिखना चाहिये। संवेदना और सेवा की भावना की आज बड़ी आवश्यकता है। सामाजिक सहानुभूति साहित्य में प्रतिबिम्बित होती है।

डॉ महेश शर्मा के साथ धर्मपत्नी श्रीमती गौरी शर्मा भी वृद्धाश्रम गईं। इस दौरान पचास जोड़ी वस्त्र एवं शॉल आदि देकर वृद्धजनों का सम्मान शर्मा दम्पत्ति द्वारा किया गया।आचार्य डॉ.महेश चन्द्र शर्मा इस विशाल और ऐतिहासिक सामूहिक दिव्यांग और निर्धन तीन सौ से

अधिक वर-वधुओं को आशीर्वाद दिया। संस्कृत में शुभाशीष देते हुवे आचार्य डॉ.शर्मा ने उनके सुखद और सफल दाम्पत्य जीवन की शुभकामनाएं भी दीं। आयोजक संस्था और सभी सहयोगियों को भी इस ऐतिहासिक और सफल विवाह समारोह के लिये सभी समाजों की ओर से धन्यवाद, हार्दिक शुभकामनायें और बधाइयाँ भी दीं।

अमृत सरोवर स्थलों पर 21 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी के मार्गदर्शन में 21 जून 2024 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया जाना है। जिला पंचायत अश्वनी देवांगन ने योग दिवस के आयोजन के संबंध में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि इस आयोजन के लिए विस्तृत दिशा निर्देश प्राप्त हुए हैं जिनके तारतम्य में जनपद पंचायतों के आवश्यक गतिविधियों की रूपरेखा प्रेषित की गई है।

जिला पंचायत सीईओ देवांगन ने यह भी बताया कि ग्राम पंचायतों में आयोजित होने वाले विश्व योग दिवस के आयोजन में स्थानीय ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों के साथ शासकीय अधिकारी कर्मचारी भी मनरेगा के पंजीकृत श्रमिकों के साथ अमृत सरोवरों के तट पर योग के सामान्य आसन, प्राणायाम और ध्यान आदि के सहज क्रियाओं का अभ्यास करेंगे। इसके लिए मार्गदर्शिका जारी की गई है। आम जनों को योग के लाभ का महत्व बताते हुए उन्हें योग के प्रतिदिन अभ्यास से होने वाले लाभों के बारे में जानकारी प्रदान करने के लिए परिचर्चा और गोष्ठी का आयोजन भी किया जाएगा। इसका मूल उद्देश्य आम जनों को योग के प्रयोग से आम जीवन में निरोगी रहने और स्वस्थ जीवनशैली की ओर प्रेरित करना होगा। गतिविधियों के आयोजन के पश्चात इसका प्रतिवेदन जिला पंचायत कार्यालय को प्रेषित करने के निर्देश दिए गए हैं।

जिला पंचायत सीईओ श्नी देवांगन ने आगे बताया कि अमृत सरोवरों के तट पर आयोजन किया जाना है और यदि बारिश हो जाती है तो यह आयोजन ग्राम पंचायत भवन या उस ग्राम में उपलब्ध सार्वजनिक भवनों में भी किया जाना प्रस्तावित है। इसके साथ ही बारिश के मद्देनजर सभी मिट्टी कार्यों के त्वरित मूल्यांकन एवं सत्यापन के निर्देश भी जारी किए गए हैं। बारिश के बाद मिट्टी वाले कार्यों के मूल्यांकन सत्यापन में दिक्कत हो सकती है इसलिए राज्य के निर्देशानुसार सभी मिट्टी संबंधी कार्यों खासकर अमृत सरोवरों और डबरी निर्माण आदि के कार्यों में मिट्टी का मूल्यांकन आगामी दो दिवस में पूरा कराने के निर्देश जारी किए गए हैं। साथ ही इन समस्त कार्यों का सत्यापन अनुविभागीय अधिकारी ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विभाग द्वारा कराए जाने के निर्देश दिए गए हैं। पांच ग्राम पंचायतों को आदर्श ग्राम पंचायत बनाया जायेगा।

नगर निगम टैक्स वसूली अभियान ने पकड़ा जोर, पहली बार जून माह के एक ही दिन में 17 लाख से अधिक की रिकार्ड तोड़ वसूली

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम आयुक्त लोकेश चन्द्राकर के निर्देश पर राजस्व विभाग के टैक्स वसूली में जून माह में बेहतर प्रदर्शन करते हुए टैक्स वसूली हेतु अभियान छेड़ दिया है। राजस्व विभाग की कार्रवाही अभियान घर-घर करदाताओं के दस्तक देकर टैक्स वसूली अभियान ने जोर पकड़ा है! एक दिन में 17 लाख रुपए से अधिक निगम कोष में जमा हुए।

आर्थिक गतिविधियों के बीच नगर निगम के राजस्व अधिकारी दुर्गेश गुप्ता एवं सहायक राजस्व अधिकारी शुभम गोइर के नेतृत्व में एक दिन में निगम को 17 लाख से अधिक रुपए मिले।नगर निगम ने करों की बकाया वसूली के लिए छुट्टी को भी अभियान चलाया।सभी 60 वार्डों में कर्मचारी दिन भर वार्डों में घूमे।

माह 17 जून तक का कुल वसूली 5926053 लाख रुपये से अधिक और आज 18 जून के एक दिन की वसूली राशि 1762577 रुपये से अधिक की राशि वसूली की।आज सहायक राजस्व अधिकारी शुभम गोइर द्वारा वार्ड 55 सुमित बाजार के द्वारा कल की तारीख में टैक्स की राशि जमा करने की बात कही एवं पुलगांव कपड़ा मार्केट के पदाधिकारियों के साथ बैठक किया गया।समस्त व्यापारी संघ द्वारा 25 जून 2024 को एक साथ टैक्स देने में सहमति बनाई गई है।

अधिकारी द्वारा लगातार बड़े बकायादारों से संपर्क किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसे बड़े बकायादारों को आज नोटिस बनाकर जारी करने के निर्देश दिए।उसकी सूची उपलब्ध करवाने को कहा।उन्होंने टैक्स वसूली जायजा के दौरान स्टेट बैंक में बैंक प्रबंधन से मुलाकात कर टैक्स जमा करने की अपील किये, प्रबधंक द्वारा सात दिवस के भीतर टैक्स जमा करने का आश्वासन दिया है।वार्ड 28 अजीज पोल्ट्री फार्म में 2017 से आज तक लंबित राशि 113582/- रुपये का भुगतान करने कहा गया।उनके द्वारा क़िस्त में राशि जमा करने का आश्वासन दिया है। आर्थिक स्थिति ठीक न होने पर निगम द्वारा उनको 5 क़िस्त राशि जमा करने की बात कही।जायजा लेने पहुचे बोरसी क्षेत्र के करदाता निगम की टीम को बुलाकर पिछले 3 वर्षो का बकाया जलकर का भुगतान करने की बात कही। साथ ही बोरसी जोन कार्यालय में करदाता द्वारा टैक्स की राशि के साथ 3 साल के जलकर भी जमा किये।सहायक राजस्व अधिकारी शुभम गोइर द्वारा वसूली की नियमित मानीटरिंग भी की जा रही है। निगम प्रशासन द्वारा आने वाले दिनों में 150 से अधिक बड़े बकायादारों के नामों की सूची को सार्वजनिक कर टैक्स वसूली के लिए उन्हें नोटिस भी जारी किया जाएगा।

हेमचंद यादव विश्वविद्यालय में ऑनलाइन पद्धति से प्रवेश आवेदन फॉर्म प्रारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। हेमचंद यादव विश्वविद्यालय से सम्बद्धता प्राप्त महाविद्यालयों में नई शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत सत्र 2024-25 के तहत स्नातक प्रथम सेमेस्टर एवं पूर्ववत् स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर, डिप्लोमा/ पी.जी.डिप्लोमा में नियमित प्रवेश के इच्छुक विद्यार्थियों हेतु ऑनलाईन पद्धति से प्रवेष आवेदन फॉर्म दिनांक 18 जून 2024 से प्रारंभ किया जा चुका है। इस हेतु प्रथम चरण, द्वितीय चरण तथा कुलपति, डॉ. अरूणा पल्टा की अनुमति से तृतीय चरण हेतु प्रवेष की तिथि निर्धारित की गई है। यह जानकारी देते हुए विष्वविद्यालय के कुलसचिव भूपेन्द्र कुलदीप ने बताया कि तिथियों एवं कक्षाओं के विस्तृत जानकारी हेतु विद्यार्थी विष्वविद्यालय की अधिकृत वेबसाइट का अवलोकन कर सकते हैं। कुलदीप ने आगे जानकारी देते हुए यह बताया कि एल.एल.एम. प्रथम सेमेस्टर पाठ्यक्रम में प्रवेष हेतु पोर्टल पृथक से खोला जायेगा।

परीक्षा विभाग के उपकुलसचिव, डॉ. राजमणि पटेल एवं सहायक कुलसचिव, डॉ. सुमीत अग्रवाल ने संयुक्त रूप से जानकारी दी कि शैक्षणिक सत्र 2024-25 के वार्षिक एवं सेमेस्टर परीक्षाओं के लिए उच्च षिक्षा विभाग, छत्तीसगढ़ शासन ने अकादमिक कैलेण्डर एवं प्रवेष मार्गदर्षिका सिद्धांत जारी किया है। विद्यार्थियों की सुविधा हेतु विष्वविद्यालय द्वारा जारी किये गये अधिसूचना में विषय समूह संयोजन भी संलग्न किया गया है जिसका अवलोकन विद्यार्थी विष्वविद्यालय की अधिकृत वेबसाईट में जाकर कर सकते हैं।

आयुष्मान कार्ड बनाने का कार्य अभियान चलाकर पूर्ण करें-कलेक्टर

आंगनबाड़ी केन्द्रों में भर्ती प्रक्रिया के दौरान दावा आपत्ति के समय नये डाकुमेंट स्वीकार नहीं होंगे

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जिले में आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में ग्राम पंचायतवार तथा नगरीय क्षेत्रों में वार्डवार अभियान चलाया जाएगा। इस दौरान आयुष्मान कार्ड बनाने से छुटे सभी लोगों के कार्ड बनाये जाएंगे। कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी ने आज अधिकारियों की समय-सीमा प्रकरणों की समीक्षा बैठक में जिले में आयुष्मान कार्ड की समीक्षा करते हुए कहा कि लोगों को चिकित्सा सुविधा मुहैय्या कराने प्रत्येक परिवार के सभी सदस्यों का आयुष्मान कार्ड बनाया जाना है।

उन्होंने जनपद सीईओ और नगरीय निकायों के अधिकारियों को अभियान चलाकर लक्ष्य पूर्ण करने आवश्यक पहल करने के निर्देश दिए। साथ ही इस हेतु कार्ययोजना तैयार करने चिप्स के ई-डिस्ट्रिक्ट मैनेजर को निर्देशित किया। इसी प्रकार शासन की योजनाओं से लाभान्वित होने दस साल पूर्व बने आधार कार्डों का अपडेशन का कार्य किया जाना है।

इसी प्रकार 28 जून को संकुल स्तर पर और 01, 02, 03 जुलाई को विकासखण्ड स्तर पर तथा 05 जुलाई को जिला स्तरीय शाला प्रवेशोत्सव आयोजित किया जाएगा। कलेक्टर सुश्री चौधरी ने जिले में खरीफ धान बीज एवं खाद उपलब्धता की समीक्षा करते हुए कहा कि जिले के सहकारी समितियों में खरीफ धान की बीज एवं खाद की पर्याप्त भंडारण के साथ किसानों को समय पर वितरण सुनिश्चित किया जाए। सी.सी.बी. के नोडल अधिकारी ने अवगत कराया कि किसानों की सुविधा हेतु यूरिया, सुपर फास्फेट, डीएपी, ईफ्को, पोटाश, उर्वरकों एवं बीज की पर्याप्त उपलब्धता करा दी गई है। किसान अग्रिम उठाव कर रहे हैं। कलेक्टर सुश्री चौधरी ने सारथी एप, पीजी पोर्टल और पीजीएन प्रकरणों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को पीजी पोर्टल के एक साल से ऊपर के प्रकरण आगामी टीएल के पहले निराकृत करने वहीं पीजीएन के प्रकरण 03 माह से अधिक लंबित नहीं रखने के निर्देश दिए। उन्होंने युवा मितान क्लब से संबंधित स्वीकृत राशि का यूसी/सीसी संबंधित अधिकारियों को शीघ्र प्रस्तुत करने कहा। उन्होंने कैच द रैन अंतर्गत जल संरक्षण को बढ़ावा देने हेतु नगरीय निकायों की कार्य गतिविधियों की जानकारी ली। वृक्षारोपण के लिए नगरीय निकायों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में जगह चिन्हांकित करने व सड़क किनारे वृहद पैमाने पर वृक्षारोपण करने के निर्देश दिए। उन्होंने जल संसाधन विभाग के अधिकारियों को जिले में नदियों के तटीय भूभाग चिन्हित कर बड़े पैमाने पर पौधरोपण कराने के निर्देश दिए।

इसी प्रकार स्कूल परिसर में जगह उपलब्धता के आधार पर फलदार पौधे रोपण कराने डी.ई.ओ. को निर्देशित किया। कलेक्टर ने नगरीय निकायों की भांति ग्रामीण क्षेत्रों में भी सूखा कचरा और गीला कचरा के संग्रहण एवं निष्पादन हेतु आवश्यक पहल करने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया।

आंगनबाड़ी केन्द्रों में कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं की भर्ती समय पर सुनिश्चित किया जाएं

कलेक्टर ने आंगनबाड़ी केन्द्रों में भर्ती प्रक्रिया की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केन्द्रों में कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं की भर्ती समय पर सुनिश्चित किया जाए। समिति द्वारा निर्णय लेने में विलंब होने पर अधिकारी सीधे फाइल कलेक्टर को प्रस्तुत कर सकते हैं। कलेक्टर ने कहा कि भर्ती प्रक्रिया के दौरान आमंत्रित दावा आपत्ति के समय किसी भी प्रकार की नया डाकुमेंट स्वीकार नहीं किया जाएगा। अधिकारी इस पर विशेष ध्यान देवें। कलेक्टर सुश्री चौधरी ने अवगत कराया कि शासन के निर्देशानुसार नगरीय निकाय चुनाव के पूर्व वार्डों का परिसीमन होना है। अतएव अधिकारी निर्धारित कार्यक्रम अनुसार शासन के दिशा-निर्देशों के अनुरूप वार्ड परिसीमन का कार्य पूर्ण कराएंगे। उन्होंने शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत सत्र 2024-25 हेतु एडमिशन में हुई कथित गड़बड़ी की जानकारी लेते हुए फर्जीवाड़ा करने वालों के विरूद्ध प्रथम प्राथमिकी दर्ज कराने डी.ई.ओ. को निर्देशित किया। साथ ही स्थानीय प्रतिनिधियों की मौजूदगी में शाला प्रवेशोत्सव आयोजित कर विद्यार्थियों को किताबे, गणवेश एवं सायकले वितरित करने कहा। डी.ई.ओ. ने अवगत कराया कि आर.टी.ई. के तहत एडमिशन में हुई गड़बड़ी की जांच उपरांत संबंधित पालकों के विरूद्ध प्राथमिकी दर्ज कराने हेतु पत्र एवं दस्तावेज पुलिस अधीक्षक को प्रेषित कर दी गई है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950